राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 15, अंक 51 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शुक्रवार 26 दिसंबर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

20 साल बाद उद्धव-राज ठाकरे की पार्टी में गठबंधन, कहा- हमारी सोच एक, बंटेंगे तो बिखरेंगे

मुंबई । शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के संस्थापक राज ठाकरे ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) और नासिक नगर निगम के आगामी चुनावों के लिए औपचारिक रूप से गठबंधन की घोषणा कर दी। दोनों का साथ आना मराठी वोट बैंक को मजबूत करने और भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति को चुनौती देने के उद्देश्य से एक बड़े राजनीतिक पुनर्गठन का संकेत है।

दोनों चचेरे भाइयों ने दादर के छत्रपति शिवाजी पार्क में शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के स्मारक पर श्रद्धांजलि देने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गठबंधन की औपचारिक जानकारी दी। राज ठाकरे ने कहा कि मुंबई का अगला मेयर गठबंधन का मराठी मानुष होगा। उद्धव ठाकरे ने कहा कि यह गठबंधन मुंबई और महाराष्ट्र की पहचान की रक्षा के लिए बनाया गया है। हम मुंबई को बांटने या इसे महाराष्ट्र से अलग करने के प्रयासों को विफल करने के लिए एक साथ आए हैं। उन्होंने मराठी मानुष से एकजुट रहने और दबाव का विरोध करने का आग्रह किया।

राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र को बचाने के लिए गठबंधन आवश्यक था। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि गिरोह चुनाव लड़ने की इच्छा रखने वालों को डराने के लिए घूम रहा है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध कोई भी व्यक्ति, चाहे वो भाजपा के भीतर समान विचारधारा वाला व्यक्ति भी गठबंधन का समर्थन करता है तो उसका स्वागत है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ने पहले ही अकेले चुनाव लड़ने का फैसला कर लिया है। यूबीटी-एमएनएस गठबंधन उस फैसले से स्वतंत्र है। इसके साथ ही राज ठाकरे ने मीडिया से गठबंधन का समर्थन करने की अपील की।

सिर्फ 5 रुपए में मिलेगा भरपेट खाना : अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर सरकार शुरू करेगी 100 'अटल कैंटीन'

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के मौके पर पूरे राष्ट्रीय राजधानी में 100 अटल कैंटीन शुरू करेगी, जहां सिर्फ 5 रुपए में खाना मिलेगा। भाजपा ने दिल्ली चुनाव घोषणापत्र में इसका वादा भी किया था और इस पहल का मकसद पूरे शहर के निवासियों को किफायती और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना है।

दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने बुधवार को इस योजना के उद्घाटन की घोषणा करते हुए इसे वंचितों के लिए खाद्य सुरक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम बताया।ये कैंटीन खास तौर पर दिहाड़ी मजदूरों, श्रमिकों और कम आय वाले परिवारों के लिए डिजाइन की गई हैं, जिन्हें नियमित भोजन का खर्च उठाने में मुश्किल होती है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह योजना सम्मान के साथ भोजन उपलब्ध कराने के विचार पर आधारित है।उन्होंने कहा, अटल कैंटीन दिल्ली की आत्मा बन जाएगी, एक ऐसी जगह जहां किसी को भी भूखा नहीं सोना पड़ेगा, उन्होंने समावेशी कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।प्रत्येक अटल कैंटीन में दिन में दो बार भोजन मिलेगा, जिसमें दाल और चावल, रोटी और सब्जियां शामिल होंगी, और उम्मीद है कि यह रोजाना लगभग 1,000 लोगों को खाना खिलाएगी।

निजी स्कूल फीस निर्धारण में पारदर्शिता की नई व्यवस्था, दो समितियों के गठन से लागू हुआ कानून

नई दिल्ली। दिल्ली में निजी स्कूलों की फीस निर्धारण प्रक्रिया को पारदर्शी, जवाबदेह और समयबद्ध बनाने की दिशा में दिल्ली सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री श्री आशीष सूद ने कहा है कि 'दिल्ली स्कूल एजुकेशन (ट्रांसपेरेंसी इन फिक्सेशन एंड रेगुलेशन ऑफ फीस) एक्ट, 2025' और इसके अंतर्गत बनाए गए नियमों को शैक्षणिक सत्र 2025-26 से प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। इस कानून के सफल क्रियान्वयन के लिए स्कूल स्तर और जिला स्तर पर दो महत्वपूर्ण समितियों, स्कूल लेवल फीस रेगुलेशन कमेटी और डिस्ट्रिक्ट लेवल फीस अपीलेट कमेटी का गठन अनिवार्य किया गया है। शिक्षा मंत्री श्री आशीष सूद ने दिल्ली सचिवालय में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि यह कानून वर्ष 1973 से लागू दिल्ली स्कूल एजुकेशन एक्ट को पूरक बनाते हुए तैयार किया गया है, ताकि निजी स्कूलों की फीस निर्धारण प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके और अभिभावकों के हितों की रक्षा हो सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कानून प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के शिक्षा मिशन व मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सरकार के अल्प कार्यकाल में व्यापक विचार-विमर्श के बाद लागू किया गया है। शिक्षा मंत्री के अनुसार हर निजी स्कूल में SLFRC का गठन 10 जनवरी 2026 तक अनिवार्य रूप से किया जाना है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर 115 शहरों में अटल परिसरों का लोकार्पण किया

गांव-गांव को बारहमासी सड़कों से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य अटलजी ने किया — मुख्यमंत्री साय

- **जन्म-शताब्दी वर्ष में सभी नगरीय निकायों में अटल परिसरों का निर्माण — अटलजी की स्मृतियों को चिरस्थायी बनाने का संकल्प**
- **मुख्यमंत्री द्वारा 187 करोड़ रुपये के 23 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन**

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर राज्य के 115 नगरीय निकायों में नवनिर्मित अटल परिसरों का लोकार्पण किया। उन्होंने राजधानी रायपुर में अटल एक्सप्रेस-वे के फुंडहर चौक पर स्थापित अटलजी की प्रतिमा का अनावरण तथा अटल परिसर का लोकार्पण करते हुए राज्यभर में आयोजित कार्यक्रमों से वर्चुअल रूप से जुड़कर अन्य 114 नगरीय निकायों में निर्मित अटल परिसरों का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह तथा तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरू खुशवंत साहेब कार्यक्रम में उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से अटलजी ने गांव-गांव तक पक्की सड़कों का जाल बिछाया और बारहमासी सड़कों से ग्रामीण भारत को जोड़ा, जिससे छह लाख से अधिक गांवों में विकास के द्वार खुले। किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसानों को सुलभ कृषि ऋण उपलब्ध कराया गया, जिसका लाभ आज करोड़ों किसान उठा रहे हैं। अटल जी ने आदिम जाति विकास मंत्रालय का गठन कर उन्होंने आदिवासी कल्याण की योजनाओं को नई दिशा दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज प्रदेश के 115 नगरीय निकायों में अटल परिसरों का लोकार्पण किया गया है। इससे पूर्व 60 स्थानों पर परिसरों का लोकार्पण हो चुका है। अटलजी के जन्म-शताब्दी वर्ष में सभी नगरीय निकायों में अटल परिसर निर्मित किए जा रहे हैं, ताकि छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता अटलजी की स्मृतियाँ चिरस्थायी बनी रहें।

तीन करोड़ छत्तीसगढ़वासी आज अटलजी को कृतज्ञतापूर्वक नमन कर रहे

मुख्यमंत्री श्री साय ने पुंडहर खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में रायपुर नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत 186 करोड़ 98 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत 23 कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 185 करोड़ 49 लाख रुपये के 17 कार्यों का भूमिपूजन तथा एक करोड़ 49 लाख रुपये के 6 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इस अवसर पर उन्होंने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा प्रकाशित अटल परिसरों पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के पाँच हितग्राहियों को भवन निर्माण अनुज्ञा-पत्र एवं पीएम स्वनिधि योजना के तहत पाँच महिला हितग्राहियों को 50-50 हजार रुपये के चेक वितरण किए गए। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में अटलजी की 101वीं जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उपस्थित नागरिकों को सुशासन दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि तीन करोड़ छत्तीसगढ़वासी आज अटलजी को कृतज्ञतापूर्वक नमन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अटलजी तीन बार देश के प्रधानमंत्री रहे, वे अजातशत्रु, प्रखर वक्ता, संवेदनशील कवि एवं श्रेष्ठ साहित्यकार थे। विरोधी दल भी उनके भाषणों को सुनने के लिए उत्सुक रहते थे।

55 एक्सप्रेस एवं 8 पैसेंजर गाड़ियों की समय सारणी में आंशिक परिवर्तन

बदलेगा रेलवे का समय सारणी नए साल से

रायपुर(समय दर्शन)। नए साल में एक जनवरी से ट्रेनों का टाइम बदल जाएगा। रेलवे ने हर साल की तरह विभिन्न सेक्शनों में आधारभूत संरचना को और अधिक विकसित करते हुए इस साल भी भारतीय रेलवे की समय सारणी में आंशिक परिवर्तन किया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 55 गाड़ियों के समय में बदलाव किया गया है।

भारतीय रेलवे की समय सारणी में 01 जनवरी, 2026 से आंशिक परिवर्तन किया गया हैं । गाडियों के परिचालन में प्रस्थान से आगमन तक के समय में गति बढाते हुये परिचालन समय की बचत के लिए समय सारणी में परिवर्तन किया जाता है । इन आवश्यक कार्यो को निरंतर करते रहने से विभिन्न सेक्शनों में मेल एक्सप्रेस गाड़ियो में 10 मिनट से लेकर 25 मिनट तक एवं पैसेंजर गाड़ियों में 05 मिनट से लेकर 20 मिनट तक के परिचालन समय में बचत होगी।

इसी प्रकार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में भी 01 जनवरी, 2026 से लागू होने वाली नई रेलवे समय-सारणी में इस रेलवे से चलने वाली एवं होकर गुजरने अप दिशा एवं डाउन दिशा की 55 गाड़ियों का परिचालन समय बदलाव किया गया है । अन्य स्टेशनों में समय सारणी यथावत रहेगी ।दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की अप दिशा एवं डाउन दिशा की ट्रेनों में 55 एक्सप्रेस एवं 8 पैसेंजर गाड़ियों की समय सारणी में आंशिक परिवर्तन किया गया एवं अन्य रेलवे स्टेशनों में समय सारणी यथावत रहेगी ।

तमिलनाडु में बस ने 2 कारें कुचलीं, 9 की मौत:4 घायल

कारें पूरी तरह चकनाचूर; बस का टायर फटने से हादसा

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के कडलूर जिले में बुधवार रात सड़क हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि तिरुचिरापल्ली से चेन्नई जा रही रोडवेज बस का स्टेट हाईवे पर टायर फट गया था। बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ती हुई दूसरी लेन में चली गई और सामने से आ रहीं 2 कारों को कुचल दिया। दोनों कारें बस के नीचे फंसकर पूरी तरह चकनाचूर हो गईं। हादसे की सूचना मिलते ही तित्ताकुडी और रामनाथम पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से फंसे लोगों को बाहर निकाला। घायलों को तित्ताकुडी और पेरंबलूर के सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। हादसे के कारण चेन्नई-तिरुचि नेशनल हाईवे पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। करीब दो घंटे बाद क्रेन से वाहन हटाकर यातायात चालू किया गया। सड़क हादसे में दोनों कारों में सवार 7 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि 2 लोगों की इलाज के दौरान मौत हुई। पुलिस के मुताबिक, मृतकों में 5 पुरुष और 4 महिलाएं शामिल हैं।

इसरो ने रचा इतिहास, 'बाहुबली' एलवीएम-3 से सबसे भारी सैटेलाइट ब्लूबर्ड-2 लॉन्च

अब सीधे अंतरिक्ष से जुड़ेगा स्मार्टफोन

श्रीहरिकोटा (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। सतीश धवन स्पेस सेंटर (एसडीएससी एसएचएआर), श्रीहरिकोटा से इसरो के एलवीएम3-एम6 रॉकेट ने अमेरिकी कंपनी एएसटी स्पेसमोबाइल की ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 सैटेलाइट को सफलतापूर्वक 'लो अर्थ ऑर्बिट' (एलईओ) में स्थापित कर दिया। यह एलवीएम3 रॉकेट के इतिहास में अब तक का सबसे भारी पेलोड (6,100 किलोग्राम) है। लॉन्च सुबह 8:54 बजे आईएसटी सेकंड लॉन्च पैड से हुआ। 43.5 मीटर ऊंचे और 640 टन वजन वाले इस रॉकेट ने लगभग 15 मिनट की उड़ान के बाद सैटेलाइट को 520 किलोमीटर की ऊंचाई पर 53 डिग्री इंक्लिनेशन वाली सर्कुलर ऑर्बिट में छोड़ा। यह इसरो की 100 प्रतिशत सफलता वाली एलवीएम3 सीरीज की छठी उड़ान है, जो पहले चंद्रयान-2, चंद्रयान-3 और वनवैब के 72 सैटेलाइट्स लॉन्च कर चुकी है। यह मिशन न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) के माध्यम से एक समर्पित कमर्शियल डील का हिस्सा है।

मोदी सरकार ने दिया नए साल का तोहफा, 12,015 करोड़ रुपए से दिल्ली में बनेंगे 13 नए मेट्रो स्टेशन

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने दिल्ली-एनसीआर वासियों को नए साल का तोहफा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिल्ली मेट्रो के विस्तार को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने यह जानकारी साझा की है। केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय कैबिनेट ने दिल्ली मेट्रो के फेज 5ए के अंतर्गत 3 नए कॉरिडोर को मंजूरी दी है। इसमें 13 नए मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे। तीन नए कॉरिडोर में आरके आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ (9.913 किमी), एयरोसिटी से आईजीआई एयरपोर्ट टी-1 (2.263 किमी) और तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज (3.9 किमी) शामिल है। इस परियोजना की कुल लंबाई 16.076 किमी है और इससे राष्ट्रीय राजधानी में कनेक्टिविटी और बेहतर होगी।

30 से ज्यादा यात्री सवार थे; चित्रदुर्ग के हिरियूर में लॉरी से टक्कर के बाद हादसा

कर्नाटक में स्लीपर बस में आग, 10 जिंदा जले

चित्रदुर्ग (एजेंसी)। कर्नाटक के चित्रदुर्ग में बुधवार देर रात स्लीपर बस में टक्कर के बाद आग लग गई। हादसे में बस में सवार 10 से ज्यादा लोग जिंदा जल गए। हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह आंकड़ा 12 और 17 बताया जा रहा है। हादसा ह्॥-48 पर हिरियूर तालुक में हुआ। बस बेंगलुरु से गोकर्ण जा रही थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक बस में 30 से ज्यादा यात्री थे।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रात 2.30 बजे तेज रफ्तार लॉरी डिवाइडर तोड़कर दूसरी तरफ से जा रही प्राइवेट कंपनी की सीबर्ड ट्रांसपोर्ट की बस से टकरा गई। बस में तुरंत आग लग गई। उस समय यात्री सो रहे थे। इस कारण उन्हें खुद को बचाने का मौका नहीं मिला।

पुलिस का कहना है कि ज्यादातर यात्रियों ने टिकट ऑनलाइन बुक किए थे। इससे पुलिस को उनके फोन नंबर मिल गए हैं। उनके परिवारों से संपर्क करने की कोशिश की जा रही है। जले हुए शवों की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट करवाया जाएगा।

बस के ड्राइवर-क्लीनर ने कूदकर बचाई जान

ईस्ट जोन के इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस रविकांत गौड़ा ने बताया कि बस के ड्राइवर और क्लीनर बच गए हैं, जबकि ट्रक के ड्राइवर-क्लीनर की मौत हो गई है। कई यात्रियों ने बस से कूदकर जान बचाई। घायल यात्रियों को तुमकुरु जिले में शिरा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो यात्री गंभीर हैं।

पीएम मोदी ने भी हादसे पर दुख जताया है। वहीं, मृतकों के परिजन को 2-2 लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपए देने का ऐलान किया है।

हादसे का शिकार हुई बस के ड्राइवर ने पुलिस को बताया है कि उसने सामने से आ रहे ओवरस्पीड ट्रक को देखकर अपनी गाड़ी को कंट्रोल करने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहा। हादसे के एक चश्मदीद ने बताया कि वे एक स्कूल बस में बेंगलुरु से दांडेली के लिए निकले थे। उसी समय यह हादसा हुआ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल संवाद कर खिलाड़ियों को दिया सन्देश

सांसद खेल महोत्सव का भव्य आयोजन

महासमुन्द (समय दर्शन)। वन खेल परिसर महासमुंद में आयोजित लोकसभा स्तरीय सांसद खेल महोत्सव का आज सुबह 11 बजे समापन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े और खिलाड़ियों से संवाद करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और खेल भावना की सराहना करते हुए कहा कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास और स्वस्थ भारत के निर्माण की मजबूत नींव है।

सुबह पाली के कार्यक्रम में सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा, बसना विधायक संपत अग्रवाल, पूर्व विधायक डॉ. विमल चोपड़ा, छत्तीसगढ़ राज्य बीज निगम अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू निषाद, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष निरंजन सिन्हा, खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा, कलेक्टर विनय कुमार लंगेह सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अपने संबोधन में पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू निषाद ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में पूरे देश में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह महोत्सव तीन स्तरों पर आयोजित हो रहा है, जिसमें ग्राम और शहरों से अनेक प्रतिभाएं उभरकर सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि आज 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी

वाजपेयी जी के जन्मदिवस को सुशासन दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष निरंजन सिन्हा ने कहा कि प्रारंभ में लोगों के मन में यह भ्रांति थी कि इस तरह का खेल आयोजन कैसे होगा, लेकिन सांसद खेल महोत्सव ने सभी शंकाओं को दूर कर अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। गांव से लेकर संसदीय क्षेत्र तक खेलों का आयोजन होने का अर्थ है जनता की व्यापक भागीदारी। यह आयोजन सीखने, खेलने और आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करता है। आयोजन ने खेल के माध्यम से सामाजिक समरसता, अनुशासन और स्वस्थ जीवन शैली का संदेश दिया।खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा ने कहा कि स्वस्थ शरीर के लिए खेल अत्यंत आवश्यक हैं। सांसद खेल महोत्सव बच्चों और युवाओं को शारीरिक रूप से मजबूत बनाने का एक बेहतर मंच है। उन्होंने कहा कि आज अटल बिहारी वाजपेयी जी का जन्मदिवस है, जिन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया। आज देश और राज्य तेजी से विकास की ओर अग्रसर है और विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है। साथ ही उन्होंने आज के दिन को वीर बाल दिवस के रूप में याद करते हुए सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

नौकरशाही की असहिष्णुता का दुखद उदाहरण, नहीं बटा मसीही स्कूलों में वेतन

बिलासपुर (समय दर्शन)। क्रिसमस मनाया जा रहा है बहुत से नेता जीने में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल और मुख्यमंत्री भी शामिल है ने मसीह समाज को क्रिसमस की शुभकामनाएं दी पर यह कैसा क्रिसमस एक तरफहिंदूवादी संगठनों ने 24 तारीख को छत्तीसगढ़ बंद किया और त्योहार की चमक को फीका कर दिया इतना ही नहीं छत्तीसगढ़ में सीडीबीई के 19 स्कूल ये 19 स्कूल ईसाई समाज के इनमें 100 साल पुरानी परंपरा की क्रिसमस के पहले वेतन दे दिया जाता है।

पर यह परंपरा साय की नौकरशाही ने तोड़ दी, एक माह पूर्व इन स्कूलों पर शासन के आदेश से प्रशासक नियुक्त हुआ है तो वेतन के देयक उसके हस्ताक्षर से ही बैंक पहुंचेंगे 19 स्कूल अलग-अलग जिलों में है हर जिले के स्कूल प्राचार्यों ने वेतन बिल बनाकर सीडीबीई के कार्यालय रायपुर पहुंचाएं और वहां से हस्ताक्षर होने के लिए रायपुर एसडीएम के पास पहुंचे पर टाल मटोल करते हुए अधिकारियों ने हस्ताक्षर नहीं किये।

19 स्कूल में शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिला और वे कर्मचारी जो क्रिश्चियन है घर का चूल्हा त्यौहार ठंडा हो गया। क्या इसे ही सब का साथ कहा जा सकता है। पहले क्रिसमस के पूरे सौहार्द पूर्ण वातावरण को हिंदू संगठनों द्वारा सुनियोजित तरीके से बिगड़ गया व्यापारिक प्रतिष्ठानों में रखे क्रिसमस ट्री सांता क्लाज के स्टैचू को छती पहुंचाई गई 24 दिसंबर को ही छत्तीसगढ़ बंद रखा गया और अंतिम प्रहर की 19 स्कूलों का वेतन वितरण नहीं हुआ यह कैसी सरकार है।

विधायक ब्यास कश्यप ने किया सीसी रोड का भूमिपूजन

जांजगीर चांपा (समय दर्शन)। विधायक ब्यास कश्यप ने नवागढ़ विकासखंड के ग्राम मुनुंद एवं कर्रा में क्रमशः 7 लाख एवं 10 लाख रूपये की लागत से बनने वाले सी.सी.रोड का भूमि पूजन किया। इस सी.सी.रोड निर्माण के लिए राशि की स्वीकृति विधायक निधि से प्रदान की गई है। इस अवसर पर विधायक ब्यास कश्यप ने उपस्थित ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक ग्राम का विकास हमारी प्राथमिकता है। जांजगीर-चांपा विधानसभा के कई ग्रामीण क्षेत्र ऐसे हैं जहां आज भी मूलभूत सुविधाओं का अभाव हैं। सड़क, बिजली, पानी शिक्षा एवं

स्वास्थ्य के लिए आज भी लोग संघर्षरत हैं। पक्की सड़क के निर्माण हो जाने से ग्रामवासियों को आवागमन में सुविधा होगी। सड़कों के साथ ही पानी की निकासी के लिए गांवों में नालियों का निर्माण कराया जाना भी आवश्यक है। उन्होंने गांव के सरपंचों से इस पर विशेष ध्यान देने की बात कही।

इस अवसर पर जिला पंचायत के पूर्व सदस्य दिनेश शर्मा, जनपद पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मोतीलाल पटेल, सरपंच द्वय अनिता भागीरथी कश्यप, प्रहलाद दिनकर, उप सरपंच नंदकुमार कश्यप, रेखा राकेश कश्यप, पूर्णिमा राजू राठौर, नीरा गोविंद यादव, अनीशा बसंत, अंजना पद्माकर कश्यप, भरत कश्यप, मुकेश साहू, गोकुल कश्यप, अर्जुन कश्यप, हर्ष मिश्रा, घिसल कश्यप, भागवत कश्यप, प्रेमकुमार कश्यप, आशीष कश्यप, उमेंदराम यादव, अश्वनी कश्यप, ओंकार पाण्डेय सहित भारी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे। सी.सी.रोड निर्माण के लिए ग्रामीणजनों ने हर्ष प्रकट करते हुए विधायक ब्यास कश्यप के प्रति आभार प्रकट किया है।

कमला कॉलेज का एनएसएस शिविर ग्राम आलीखुंटा में संपन्न

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव द्वारा ग्राम आलीखुंटा में 17 से 23 दिसंबर तक आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में छात्राओं ने सेवा, स्वच्छता और सामाजिक जागरूकता से जुड़े कई कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाई।

शिविर के दौरान प्रभातफेरी, ग्राम संपर्क, परियोजना कार्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। साथ ही बौद्धिक परिचर्चा के अंतर्गत नशा मुक्ति, पर्यावरण संरक्षण, पोषण आहार, साइबर जागरूकता एवं तनाव प्रबंधन जैसे विषयों पर जानकारी दी गई। इसके अलावा मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं डेंटल कैम्प का भी आयोजन किया गया।

परियोजना कार्य के अंतर्गत छात्राओं ने सार्वजनिक स्थलों, तालाबों व कुओं की साफ-सफाई की तथा सोख्ता गड्ढों का निर्माण किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में नशा मुक्ति, अंधविश्वास और स्वच्छता जैसे सामाजिक विषयों पर नाटकों की प्रस्तुति दी गई। ग्राम संपर्क के दौरान ग्रामीणों से नशामुक्ति को लेकर विशेष चर्चा की गई। शिविर का समापन 22 दिसंबर को ग्राम सरपंच श्रीमती चमेली साहू के मुख्य आतिथ्य में हुआ। उन्होंने शिविर के सफल आयोजन पर महाविद्यालय व छात्राओं को बधाई दी। ग्राम प्रमुख कामता प्रसाद साहू ने अपने गांव को शिविर के लिए चुने जाने पर आभार व्यक्त करते हुए आगामी वर्ष भी शिविर आयोजन की इच्छा जताई। उपसरपंच ओमप्रकाश साहू ने भी छात्राओं के कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में पंच प्रीति साहू, पूर्णिमा एवं पूर्व सरपंच आसोबाई भी उपस्थित रहीं।

शिविर की सफलता में ग्राम पदाधिकारियों के साथ बीरेन्द्र साहू, रामेश्वर साहू (सेवानिवृत्त शिक्षक), शिक्षक युगेश्वर साहू, बसंत साहू, उत्तम साहू एवं अन्य ग्रामीणों का विशेष सहयोग रहा। साउंड एवं तकनीकी सहयोग लाकेश साहू द्वारा प्रदान किया गया। समापन अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अंजली अवधिया, डॉ. ओंकार लाल श्रीवास्तव, प्रोफेसरगण एवं एनएसएस की जिला संगठक श्रीमती मोनिका दास उपस्थित रहीं। सभी ने छात्राओं की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य के मार्गदर्शन में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती रामकुमारी धुर्वा ने किया। इस दौरान गीता साहू, डॉ. उषा सोनवानी, बीना जंघेल एवं उमेश पनरिया का विशेष सहयोग रहा। शिविर में कुल 45 छात्राओं ने सहभागिता की। ग्रामवासियों द्वारा महाविद्यालय को मोमेंटो तथा छात्राओं को मेडल व पेन देकर सम्मानित किया गया।

आजात शत्रु रहे अटल बिहारी वाजपेयीः विधायक ललित

अटल परिसर लोकार्पण में जुटी भीड़

रिसाली (समय दर्शन)। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के प्रतिमा अनावरण समारोह में सैकड़ों लोगों ने अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित किए। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को आजात शत्रु के रूप में परिभाषित किया। उन्होंने वर्चुअल कार्यक्रम रिसाली में बने अटल परिसर का लोकार्पण किया। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि दिवंगत प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ऐसे राजनितीज्ञ है जिन्हें सुनने अपार भीड़ व विपक्ष के लोग इंतजार करते थे। उनकी भाषा शैली इतनी सटिक थी कि वे अपनी बात संक्षेप में पूरा करते थे। छत्तीसगढ़ के निर्माता के रूप में वे हमेशा वंदनीय रहेंगे। विधायक ललित ने कहा कि साहित्यकार, पत्रकार जैसे अनेक विधा उनमें विद्यमान थी। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसे अनेक योजनाओं को विस्तारित करते हुए कहा कि भारत की दिशा और दशा को अटल बिहारी वाजपेयी ने बदली है। इस अवसर पर नगर पालिक निगम रिसाली के सभापति केशव बंछोर, नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, पार्षद सविता ढवस, ममता सिन्हा, गजेन्द्री कोठारी, सरिता देवांगन, माया यादव, शीला नारखेड़े, खिलेन्द्र चंद्राकर, विधी यादव, धमेन्द्र भगत, मनीष यादव, विनय नेताम, ईश्वरीय साहू, मण्डल अध्यक्ष अनूपम साहू, राजू जंघेल, विधायक प्रतिनिधि गोविंद साव आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के शुरूआत में आयुक्त मोनिका वर्मा ने अतिथियों का स्वागत करते आयोजन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

कैदियों की सुविधों, स्वास्थ्य और विधिक सहायता की हुई गहन समीक्षा

कोरबा (समय दर्शन)। न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने एवं बंदियों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से श्री संतोष शर्मा, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में जिला जेल कोरबा का सघन निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य जेल में निरूद्ध कैदियों की स्थिति, उन्हें उपलब्ध करायी जा रही मूलभूत सुविधाओं की गुणवत्ता तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से दी जा रही सेवाओं की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना था। निरीक्षण के दौरान बोर्ड सदस्यों ने जेल परिसर के विभिन्न हिस्सों का बारीकी से अवलोकन किया। उसमें कौदियों के बैरक, रसोईघर, स्वास्थ्य केन्द्र, स्वच्छता व्यवस्था तथा अन्य सामान्य उपयोग के स्थान शामिल रहे।

अधिकारियों ने कौदियों से प्रत्यक्ष संवाद कर उसी समस्याओं आवश्यकताओं एवं दैनिक दिनचर्या की जानकारी प्राप्त की। भोजन की गुणवत्ता, पोषण मानकों, चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता, दवाईयों एवं चिकित्सकों की उपस्थिति, शिक्षा कर्यक्रमों जैसी गतिविधियों का भी आकलन किया गया। जेल लीगल एड क्लीनिक की कार्यप्रणाली की भी जांच की गयी।

मोहारा शराब दुकान के विरोध में 6 घंटे चक्काजाम, शमसूल आलम भी उतरे समर्थन में

राजनांदगांव (समय दर्शन)। मोहारा क्षेत्र में शराब दुकान बंद कराने की मांग को लेकर गुरूवार को नंदई चौक से दल्ली जाने वाले मार्ग पर जमकर हंगामा हुआ। वार्डवासियों ने शराब दुकान बंद करने की मांग को लेकर करीब 6 घंटे तक चक्काजाम कर दिया, जिससे मार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप रहा।

वार्डवासियों के आह्वान पर अजीत जोगी युवा मोर्चा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शमसूल आलम कार्यकर्ताओं के साथ चक्काजाम में पहुंचे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी की और शराब दुकान को तत्काल बंद करने की मांग की।

लगातार प्रदर्शन के बाद आबकारी विभाग, नजूल अधिकारी और नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन मौके पर पहुंचे। अधिकारियों द्वारा शराब दुकान बंद कराए जाने के बाद ही वार्डवासियों ने चक्काजाम समाप्त किया।

इस दौरान शमसूल आलम ने कहा कि

भाजपा सरकार उद्योगपतियों और क्षेत्रीय पार्षदों को फायदा पहुंचाने के लिए संस्कारधानी को शराबधानी बनाना चाहती है, जिसे जोगी कांग्रेस कभी स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि आबकारी अधिकारी, इंस्पेक्टर और कार्यालयीन कर्मचारियों की मिलीभगत से जगह-जगह शराब दुकानें खोली जा रही हैं और कमीशन का खेल चरम पर है। उन्होंने कहा कि सड़क से लेकर सदन तक वार्डवासियों और शहर की जनता के साथ इस लड़ाई को लड़ा जाएगा।

मौके पर मौजूद अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि शुक्रवार को वार्डवासियों और प्रशासन के बीच चर्चा के बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा, उसके बाद ही दुकान को लेकर आगे की कार्रवाई होगी।

चक्काजाम में कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शमसूल आलम के अलावा बिलाल सोलिन खान, ऋषभ रामटेके, मुकेश साहू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और वार्डवासी शामिल रहे। वार्डवासियों में जयकिशन शर्मा, प्रवीण शर्मा, हरिहरन सहित सैकड़ों की संख्या में महिलाएं और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

बसना दशहरा मैदान में विशाल हिंदू सम्मेलन एवं संकीर्तन का भव्य आयोजन

धर्म और संस्कृति का अद्भुत संगम, अनेक लोगों ने किया घर वापसी

बसना (समय दर्शन)। बसना दशहरा मैदान में 25दिसम्बर 2025 दिन गुरूवार को विशाल हिंदू सम्मेलन एवं भव्य संकीर्तन कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

यह आयोजन हिंदू सनातन संस्कृति के मूल्यों को सुदृढ़ करने तथा सामाजिक समरसता का संदेश देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया ।

कार्यक्रम स्थल सरस्वती शिशु मंदिर के पास पदमपुर रोड स्थित दशहरा मैदान में सुबह 9बजे यज्ञ अनुष्ठान के साथ शुभारंभ हुआ। गायत्री शक्तिपीठ बसना के पुरोहितों की अगुवाई में यज्ञ अनुष्ठान सम्पन्न हुआ।

इस दौरान मंच में धार्मिक भावनाओं से ओत-प्रोत ड्रेस प्रतियोगिता का भी आयोजन

सम्पन्न हुआ। भक्तों, मातृशक्ति, युवाओं एवं वरिष्ठजनों की उपस्थिति मे भजन-कीर्तन की मधुर धुनों से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया। हरि बोल और जय श्रीराम के जयघोष से क्षेत्र गूंज उठा। संकीर्तन के माध्यम से उपस्थित जनसमूह को भक्ति, अनुशासन और सामाजिक एकता का संदेश दिया ।

कार्यक्रम समापन के अंत तक कीर्तन बैठकी में क्षेत्र के सैकड़ों माताएं बहनें व भक्त वत्सल श्रद्धालु भक्तिमय वातावरण से मंच में रमे रहे।

ख्यातिलब्ध भजन मंडलियों द्वारा प्रस्तुत संकीर्तन ने सभी का मन मोह लिया। इस विशाल हिंदू सम्मेलन मे मां . चन्द्रशेखर वर्मा जी मुख्य वक्ता के रूप हिन्दुत्व एवं के सौ वर्षों के ऐतिहासिक गाथा पर अपने ओजस्वी एवं विचारोत्तेजक संबोधन में कहा कि हिंदू समाज की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संस्कृति, परंपरा और संगठन है। उन्होंने कहा कि आज के समय में समाज को जागरूक, संगठित और संस्कारित रहने की आवश्यकता है। सनातन परंपरा केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की एक समग्र पद्धति है, जो सत्य, अहिंसा, करुणा और राष्ट्रभक्ति का मार्ग दिखाती है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी संस्कृति पर गर्व करें और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएं।

विशिष्ट अतिथि की आसंदी से श्रीमती संध्या भोई ने अपने संबोधन में कहा कि,राष्ट्र निर्माण के लिए युवाओं,मातृशक्ति के साथ हम सबको मिलकर सारे भेदभाव मिटाकर देश के लिए त्याग बलिदान देना होगा।

उन्होंने जातिवाद को खत्म करने पर बल देते हुए सामाजिक समरसता,टूटते बिखरते परिवार में परिवार को बचाने मुखिया की बातों को अमल करने , पर्यावरण संरक्षण करने,स्व आधारित जीवन तथा नागरिक कर्तव्य बोध को जागरूकता के साथ निभाने अपने विचार रखे। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में स्वयं सेवक रामचंद्र अग्रवाल, विभाग प्रचारक आदित्य साहू, विभाग मंत्री सौरव अग्रवाल, खण्ड कार्य वाह सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष विद्या पटेल, एवं अन्य पदाधिकारी अरुण प्रधान, भूपेंद्र शर्मा , प्रेम भोई , सविता बर्मन, सुभाष प्रधान,दिनेश डड़सेना , रमेश कर,सुंदर प्रधान, देवचंद्र नायक, ध्रुव बारिक,सांवर अग्रवाल,धनुर्जय साहू, जयनारायण पटेल,नीरज दास एवं श्रीराम जानकी मंदिर समिति के सदस्य एवं सभी आनुषांगिक संगठन के स्वयं सेवक व समाज प्रमुखों के साथ अनेक हिंदू भाइयों का सराहनीय योगदान रहा।

संक्षिप्त-खबर

जिला पंचायत बालोद में आज किया जाएगा वीर बाल दिवस कार्यक्रम का आयोजन

बालोद (समय दर्शन)। भारत सरकार के निर्देशानुसार जिला पंचायत बालोद में 26 दिसंबर को जिला स्तरीय वीर बाल दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि दसवें सिक्ख गुरु श्री गुरु गोविन्द सिंह जी के वीर पुत्रों साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह एवं बाबा फ्तेह सिंह के अद्वितीय बलिदान की स्मृति में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसके साथ ही वीर बाल दिवस 2025 का राष्ट्रीय स्तर का मुख्य कार्यक्रम 26 दिसंबर को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के द्वारा बच्चों और युवाओं को संबोधित करते हुए राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका और योगदान को रेखांकित करेंगे।

दिव्यांग श्री महेश राम टंडन का आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

महासमुंद (समय दर्शन)। जिले के विकासखण्ड पिथौरा अंतर्गग्राम पंडरीखार निवासी श्री महेश राम टंडन 45 वर्ष की आयु में 80 प्रतिशत अस्थि बाधित दिव्यांग हैं। दिव्यांगता के कारण उन्हें कहीं भी नियमित काम नहीं मिल पा रहा था, जिससे परिवार के भरण-पोषण में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। सीमित साधनों और आवागमन की समस्या के कारण उनकी आजीविका के विकल्प भी बहुत कम थे।

श्री महेश राम टंडने बताते है कि ऐसे समय में समाज कल्याण विभाग द्वारा उन्हें मोटराईन्ड ट्रायसायकल प्रदान की गई। यह साधन उनके जीवन में बदलाव का माध्यम बना। मोटराईन्ड ट्रायसायकल मिलने के बाद उनके लिए आने-जाने की समस्या काफी हद तक समाप्त हो गई। अब वे आसानी से बाजार जाकर किराना सामान ला सकते हैं और अपने घर पर ही छोटी दुकान के रूप में बिक्री करने लगे हैं। इससे उनकी आमदनी में निरंतर वृद्धि हुई है। नियमित आय होने से न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ा है। आज श्री महेश राम टंडन अपने परिवार का भरण-पोषण सम्मानपूर्वक कर रहे हैं और आत्मनिर्भर नागरिक के रूप में पहचान बना चुके हैं। इस सहायता ने उन्हें नई दिशा दी है और आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ाया है। इसके लिए उन्होंने राज्य शासन एवं जिला प्रशासन तथा समाज कल्याण विभाग का धन्यवाद ज्ञापित किया है।

धान खरीदी में लापरवाही पड़ी भारीः दो पटवारी निलंबित, कलेक्टर का सख्त एक्शन

बलरामपुर (समय दर्शन)। जिले में धान खरीदी व्यवस्था में लापरवाही बरतने वाले दो पटवारियों के खिलाफ जिला प्रशासन ने कड़ा कदम उठाया है। कलेक्टर ने रामचंद्रपुर तहसील में पदस्थ पटवारी बंधन राम और रामानुजगंज तहसील में कार्यरत पटवारी विजय यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार धान खरीदी वर्ष 2025ङ्क26 के दौरान दोनों पटवारियों ने अपने शासकीय दायित्वों के निर्वहन में गंभीर अनियमितता और लापरवाही की। यह कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के प्रावधानों के उल्लंघन की श्रेणी में आता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के तहत कार्रवाई करते हुए निलंबन का आदेश जारी किया।

निलंबन अवधि के दौरान पटवारी बंधन राम का मुख्यालय तहसील कार्यालय कुसमी तथा पटवारी विजय यादव का मुख्यालय तहसील कार्यालय शंकरगढ़ निर्धारित किया गया है। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि निलंबन काल में दोनों पटवारियों को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्रदान किया जाएगा।

इस कार्रवाई से राजस्व अमले में हड़कंप मच गया है और प्रशासन ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि धान खरीदी जैसे महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

छह माह बाद भी ज्वाइनिंग नहीं: 20 शिक्षकों पर कार्रवाई की तैयारी, जांच दल गठित

रायपुर (समय दर्शन)। शिक्षक युक्तियुक्तकरण को लगभग छह महीने बीत चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद 11 मिडिल स्कूल शिक्षकों ने अब तक अपने नए पदस्थापन स्थल पर कार्यभार ग्रहण नहीं किया है। खास बात यह है कि इन शिक्षकों के अभ्यावेदन पहले ही अमान्य घोषित किए जा चुके हैं। समय पर ज्वाइनिंग नहीं देने के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इसे गंभीरता से लेते हुए संयुक्त संचालक (जेडी) ने कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं और जांच दल का गठन किया है। जांच की जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) और विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) को सौंपी गई है। इस आदेश के बाद बिना पदभार ग्रहण किए बैठे शिक्षकों में हड़कंप मच गया है। शासन के निर्देश पर जून माह में जिले में बड़े पैमाने पर शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया गया था। इसके तहत शहर और आसपास के स्कूलों में आवश्यकता से अधिक पदस्थ शिक्षकों को शिक्षकविहीन और एकल शिक्षकीय स्कूलों में भेजा गया। जिले में करीब साढ़े सात सौ शिक्षकों का स्थानांतरण किया गया था। इस प्रक्रिया के खिलाफ कई शिक्षक हाईकोर्ट पहुंचे, जहां से कुछ को राहत भी मिली। वहीं, जिला और संभाग स्तरीय समितियों के समक्ष भी अभ्यावेदन प्रस्तुत किए गए। हालांकि, मिडिल स्कूल के 11 शिक्षकों को किसी प्रकार की राहत नहीं मिली और उनके आवेदन निरस्त कर दिए गए। इसके बावजूद उन्होंने अब तक नए स्कूलों में ज्वाइनिंग नहीं दी है। शासन के आदेश पर इन शिक्षकों का वेतन पहले ही रोका जा चुका है, लेकिन इसके बाद भी वे नए पदस्थापन स्थल पर उपस्थित नहीं हो रहे हैं।

संयुक्त संचालक आरपी आदित्य ने संभाग स्तर पर ऐसे सभी शिक्षकों के मामलों की जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ

सांसद खेल महोत्सव में मुख्यमंत्री साय ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

रायपुर। सांसद खेल महोत्सव-'फिट युवा, विकसित भारत' का समापन समारोह आज पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय खेल एवं युवा कार्य मंत्री मनसुख मांडविया तथा देशभर के सांसद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े और समापन समारोह को वर्चुअल रूप से संबोधित किया। ऑडिटोरियम में उपस्थित जनसमूह ने प्रधानमंत्री के प्रेरक उद्बोधन को ध्यानपूर्वक सुना।

मुख्यमंत्री साय ने अपने संबोधन की शुरुआत सुशासन दिवस की शुभकामनाओं के साथ करते हुए भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी को नमन किया। उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सवङ्क 'फिट युवा, विकसित भारत' जैसे आयोजन युवा पीढ़ी में खेल संस्कृति को मजबूत बनाते हैं और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए सशक्त मंच प्रदान करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह महोत्सव लगभग चार महीनों तक रायपुर संसदीय क्षेत्र के 36 विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया गया। इसमें स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उन्होंने इस व्यापक और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए सांसद बृजमोहन अग्रवाल को विशेष बधाई दी। उन्होंने कहा कि खेलों में केवल पहला, दूसरा या तीसरा स्थान ही सबकुछ नहीं होता, बल्कि अनुशासन, टीम-स्पिरिट, समर्पण और सतत अभ्यास के गुण ही किसी को महान खिलाड़ी बनाते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस महोत्सव से अनेक खिलाड़ी उभरकर सामने आएंगे, जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर

छत्तीसगढ़ और देश का नाम रोशन करेंगे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि खिलाड़ियों के सपनों को पंख देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 में 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' की मेजबानी छत्तीसगढ़ को मिली है, जो प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। रायपुर का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम देश का तीसरा सबसे बड़ा स्टेडियम है और जनवरी माह में यहां पुन: बड़े मैचों का आयोजन किया जाएगा। खेलो इंडिया के कार्यालय विभिन्न स्थानों पर स्थापित कर नई खेल प्रतिभाओं को तराशने का कार्य किया जा रहा है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सांसद खेल महोत्सवङ्क 'फिट युवा, विकसित भारत' का शुभारंभ 29 अगस्त को हुआ था और यह आयोजन रायपुर लोकसभा क्षेत्र के 36 स्थानों पर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। उन्होंने कहा कि केवल पढ़ाई-लिखाई ही नहीं, बल्कि खेल-कूद भी जीवन में समान रूप से महत्वपूर्ण है और इसी के माध्यम से बच्चे देश-प्रदेश का नाम रोशन कर सकते हैं। इस महोत्सव में 542 गांवों से सहभागिता रही और 85 हजार से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जो पूरे देश में रिकॉर्ड भागीदारी है।

उन्होंने कहा कि इस महोत्सव में पारंपरिक एवं आधुनिक खेलों का सुंदर समन्वय देखने को मिला। गेड़ी प्रतियोगिता में 70 वर्ष की महिलाओं की सहभागिता, कबड्डी, फुगड़ी, वॉलीबॉल जैसे खेलों में उत्साहपूर्ण प्रदर्शन और ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों द्वारा रस्साकशी में भागीदारी—सभी ने सामाजिक समरसता और समावेशन का सशक्त संदेश दिया। स्कूल छोड़ चुके युवाओं को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला तथा अनुभवी खिलाड़ियों का सम्मान किया गया।

सांसद अग्रवाल ने कहा कि इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में लगभग 1,500 खेल अधिकारियों, विद्यालयीन शिक्षकों और सेवानिवृत्त खेल अधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

संक्षिप्त समाचार

मंत्री राजवाड़े ने अटल बिहारी वाजपेयी को दी श्रद्धांजलि

रायपुर। भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती एवं सुशासन दिवस पर महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने निज निवास ग्राम बीरपुर स्थित अटल चौक में अटल जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे और सभी ने अटल जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। मंत्री श्रीमती राजवाड़े भटगांव नगर पंचायत में अटल परिसर के लोकार्पण कार्यक्रम में भी सम्मिलित हुई। मंत्री राजवाड़े ने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी भारतीय राजनीति में सुशासन, राष्ट्रहित और संवेदनशील नेतृत्व के प्रतीक थे। उन्होंने अपने विचारों, आचरण और कार्यों से यह सिद्ध किया कि राजनीति केवल सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा और राष्ट्र निर्माण का सशक्त साधन है। अटल जी का संपूर्ण जीवन जनता के विश्वास, लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं के प्रति समर्पित रहा।उन्होंने कहा कि सुशासन दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि शासन की सार्थकता तभी है जब वह पारदर्शी, जवाबदेह और आमजन के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हो। अटल जी का शासन मॉडल आज भी सभी जनप्रतिनिधियों और प्रशासकों के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर मंत्री राजवाड़े ने ग्रामवासियों के साथ अटल जी के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लेते हुए कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में पारदर्शी, संवेदनशील और जनहितकारी सुशासन को और अधिक मजबूत करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। महिला, बच्चों, दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों एवं समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए सरकार की योजनाएं अटल जी की विचारधारा को आगे बढ़ा रही हैं।

शासन की योजनाओं ने बदली तकदीर, मछली पालन बना स्थायी आय का जरिया

रायपुर। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं अब कागजों से निकलकर जमीन पर असर दिखा रही हैं। खासतौर पर मत्स्य पालन को बढ़ावा देने वाली योजनाओं ने ग्रामीण इलाकों में स्वरोजगार के नए रास्ते खोले हैं। इन योजनाओं से जुड़कर किसान न सिर्फ अपनी आमदनी बढ़ा रहे हैं, बल्कि आत्मनिर्भर जीवन की ओर भी कदम बढ़ा रहे हैं। ऐसी ही एक मिसाल बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के ग्राम हरिगांवा के किसान मुन्नालाल गोलदार हैं।

वाड्रफनगर विकासखंड के हरिगांवा गांव निवासी मुन्नालाल गोलदार पहले पारंपरिक खेती पर निर्भर थे, जिससे सीमित आमदनी हो पाती थी। लेकिन जब उन्होंने मत्स्य विभाग के मार्गदर्शन में शासन की योजनाओं का लाभ लिया, तो उनकी जिंदगी की दिशा ही बदल गई। उन्होंने हरिगांवा जलाशय को पट्टे पर लेकर मछली पालन की शुरुआत की और सघन मत्स्य पालन तकनीक को अपनाया। मुन्नालाल ने रोहू, कतला, मृगल और कॉमन कार्प जैसी उन्नत मछली प्रजातियों का पालन किया। बेहतर प्रबंधन, नियमित देखरेख और आधुनिक तकनीक के उपयोग का नतीजा यह हुआ कि आज उन्हें मछली पालन से हर साल करीब 2 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफ हो रहा है। इस काम में उनके परिवार के सदस्य भी सहयोग कर रहे हैं, जिससे परिवार को रोजगार का स्थायी साधन मिला है।

मुन्नालाल बताते हैं कि स्थानीय बाजार में मछलियों की मांग हमेशा बनी रहती है, इसलिए बिक्री में कोई दिक्कत नहीं आती। मछली पालन से मिलने वाली स्थायी आमदनी ने उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाया है। अब वे भविष्य में आय के और साधन जोड़ने की योजना बना रहे हैं। उनका कहना है कि वे तालाब के पास कुक्कुट शेड लगाकर मछली पालन के साथ-साथ मुर्गी पालन भी शुरू करना चाहते हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए किसानों और मछुआरों को तालाब निर्माण, मछली बीज, परिपूरक आहार और जरूरी उपकरणों पर अनुदान दे रही है। इन्हीं योजनाओं का लाभ लेकर मुन्नालाल जैसे किसान मछली पालन को एक लाभकारी और स्थायी व्यवसाय के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

सैमसंग इनोवेशन कैंपस ने आंध्र प्रदेश में भविष्य की तकनीकी स्किलिंग को दी रफ्तार

गुरुग्राम: भारत के अग्रणी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने अपने सैमसंग इनोवेशन कैंपस (एसआईसी) कार्यक्रम के तहत आंध्र प्रदेश के युवाओं को भविष्य की तकनीकों में दक्ष बनाने की अपनी मुहिम को और मजबूती दी है। विशाखापट्टनम के विज्ञान इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और डीआईईटी कॉलेज में आयोजित बैक-टू-बैक सम्मान समारोहों में कुल 750 छात्रों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। इस वर्ष विशाखापट्टनम के इन दो केंद्रों से कुल 750 छात्र इस कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित होकर निकले हैं—जिनमें विज्ञान कॉलेज के 500 और डीआईईटी कॉलेज के 250 छात्र शामिल हैं। यह उपलब्धि भारत के युवाओं को तकनीक-आधारित भविष्य के लिए तैयार करने के सैमसंग के मिशन की दिशा में एक और बड़ा कदम है। आंध्र प्रदेश में सैमसंग इनोवेशन कैंपस के ग्रेजुएट्स का अभिनंदन विशाखापट्टनम स्थित विज्ञान इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (विज्ञान कॉलेज) में 12 दिसंबर 2025 को एक विशेष समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. बी. रवि किरण (एसीपी साइबर क्राइम सीआईडी) और डॉ. सुधाकर ज्योतुला (प्रिंसिपल, विज्ञान कॉलेज) के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर स्किल्स काउंसिल ऑफ इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट (स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप) श्री सरोज आपाटो उपस्थित रहे। विज्ञान कॉलेज में साल भर का प्रशिक्षण पूरा करने वाले 500 छात्रों को सम्मानित किया गया, जिनमें से 250 छात्रों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और 250 ने कोडिंग एवं प्रोग्रामिंग में महारत हासिल की। शिक्षकों,अतिथियों और एसआईसी पार्टनर्स की मौजूदगी में छात्रों को प्रमाण-पत्र दिए गए। उद्योग की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया यह पाठ्यक्रम उभरते तकनीकी क्षेत्रों में छात्रों की ×ऽ39;एम्प्लॉयबिलिटी×ऽ39; (रोजगार क्षमता) बढ़ाने में सहायक होगा। उसी दिन विशाखापट्टनम स्थित डीआईईटी कॉलेज में भी एक अन्य सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। इस गरिमामयी अवसर पर कॉलेज के चेयरमैन श्री दादी रत्नाकर गारू और प्राचार्य डॉ. रुगड़ा वैकुंठ राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ ईएसएससीआई के वाइस प्रेसिडेंट (स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप्स) श्री सरोज आपाटो ने भी कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

बोड़ला में डिप्टी सीएम शर्मा ने किया अटल परिसर का लोकार्पण

रायपुर। मुख्यमंत्री साय ने रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर 25 दिसम्बर को राज्य के 115 शहरों में नवनिर्मित अटल परिसरों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी बोड़ला से वर्चुअली इस कार्यक्रम में जुड़े।

कबीरधाम जिले के नगर पंचायत बोड़ला में आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री शर्मा ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की नवनिर्मित अटल परिसर का लोकार्पण किया। उन्होंने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष विजय पाटिल, उपाध्यक्ष लव निर्मलकर, जनपद अध्यक्ष श्रीमति बालका राम किंकर वर्मा, उपाध्यक्ष नंद श्रीवास, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनिल ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य राजकुमार मेरावी, अमित वर्मा, डॉ. रूपनाथ मानिकपुरी, संदीप गुप्ता सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में अटल परिसर का निर्माण किया गया है, जिसका शुभारंभ आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि श्रद्धेय स्व. अटल बिहारी वाजपेयी छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता हैं। उनका छत्तीसगढ़ से विशेष लगाव था। उन्होंने वर्ष 1998 में रायपुर में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा था कि हम नए राज्य का निर्माण करेंगे। अटल जी ने अपना यह संकल्प पूरा कर छत्तीसगढ़ को एक अलग पहचान दिलाई। उन्होंने कहा कि जब अटल बिहारी वाजपेयी जी देश के प्रधानमंत्री बने, तब उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की शुरुआत की। इसके परिणामस्वरूप गाँव-गाँव तक सड़कें पहुँचीं। सड़क निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और आवागमन में उल्लेखनीय सुधार हुआ। यह सब अटल जी की दूरदर्शी सोच और विकासशील दृष्टिकोण का परिणाम था। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि अटल परिसर आने वाली पीढ़ियों को अटल जी के विचारों, उनके योगदान और उनके द्वारा दिखाए गए विकास के मार्ग की निरंतर याद दिलाता रहेगा। उन्होंने कहा कि नगर पालिका अध्यक्ष एवं उनकी पूरी टीम बोड़ला नगर के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर समर्पित भाव से कार्य कर रही है।

डिप्टी सीएम शर्मा ने अटल बिहारी वाजपेयी को दी श्रद्धांजलि

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर अटल परिसर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि श्रद्धेय स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता थे। उनका छत्तीसगढ़ से विशेष लगाव रहा है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के भौगोलिक क्षेत्र को एक नए राज्य का स्वरूप देकर प्रदेशवासियों की भावनाओं का सम्मान किया, जिसके लिए वे सदैव स्मरणीय रहेंगे।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि अटल जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। वे एक महान राजनेता, कुशल प्रशासक, संवेदनशील कवि और दूरदर्शी नेता थे, जिनका योगदान देश और प्रदेश के विकास में अविस्मरणीय रहेगा। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर पूर्व संसदीय सचिव डॉ. सियाराम साहू एवं मोतीराम चंद्रवंशी, राजेंद्र चन्द्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष एवं सभापति रामकुमार भट्ट, नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष पटेल, पीयूष ठाकुर, सुरेश दुबे, विजय पटेल, मनीराम साहू, जसविंदर बग्गा, सनत साहू, सुनील दोषी, पन्ना चंद्रवंशी, श्रीमती सतविंदर पाहुजा, सानु साहू, राजा द्विवेदी, संजीव कुर्रे, अजय ठाकुर, बिहारी धुर्वे, दुर्गेश अवस्थी, केशरीचंद सोनी सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर जवाहर नगर मंडल ने दी श्रद्धांजलि

रायपुर। भारत रत्न और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती के अवसर पर जवाहर नगर मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं ने राठौड़ चौक में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण, पुष्पांजलि अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलित किया गया।

जवाहर नगर मंडल के अध्यक्ष संदीप जंघेल और मीडिया प्रभारी प्रणीत जैन ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता का संदेश भी दिया। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने अटल जी के जीवन, विचारों और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को याद किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व पार्षद एवं सभापति, छत्तीसगढ़ लौह शिल्पकार मंडल के अध्यक्ष प्रफुल्ल विश्वकर्मा ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी करोड़ों कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत थे। उन्होंने कहा

कि अटल जी अपने उदार व्यक्तित्व और सरल स्वभाव के कारण भारतीय राजनीति में अजातशत्रु के रूप में जाने जाते थे। उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया, यहां तक कि एक वोट से सरकार गिरने के बाद भी अपने मूल्यों पर अडिग रहे। कवि हृदय के अटल जी के नेतृत्व में भाजपा ने नई ऊंचाइयां हासिल कीं। उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर कार्यकर्ता आज भी देशसेवा में जुटे हुए हैं।

इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश पांडे, जवाहर नगर मंडल अध्यक्ष संदीप जंघेल, इंदिरा गांधी वार्ड के पार्षद एवं एमआईसी सदस्य अवतार सिंह बागल, तात्यापारा वार्ड के छाया पार्षद मनोज श्वेता विश्वकर्मा, मंडल महामंत्री रमेश शर्मा, गीता रेड्डी, युवा मोर्चा से अश्वनी विश्वकर्मा और राहुल गुप्ता, उपाध्यक्ष साजन श्रीवास, मीडिया प्रभारी प्रणीत जैन, कार्यक्रम संयोजक विजय सोनी, विजय गुप्ता, गौरव शर्मा, कुशल गेंडेकर, शंकर शर्मा, हाफिज भाई, महिला मोर्चा से दीप लक्ष्मी साहू, एकता गुप्ता सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बोड़ला में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में नवनिर्मित अटल परिसर का किया लोकार्पण

छत्तीसगढ़ के निर्माता पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की विचारधारा पर आगे बढ़ रहा प्रदेश - उपमुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की 101वीं जयंती पर 25 दिसम्बर को राज्य के 115 शहरों में नवनिर्मित अटल परिसरों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा भी बोड़ला से वर्चुअली इस कार्यक्रम में जुड़े। कबीरधाम जिले के नगर पंचायत बोड़ला में आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की नवनिर्मित अटल परिसर का लोकार्पण किया। उन्होंने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष श्री विजय पाटिल, उपाध्यक्ष श्री लव निर्मलकर, जनपद अध्यक्ष श्रीमति बालका राम किंकर वर्मा, उपाध्यक्ष श्री नंद श्रीवास, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री विदेशी राम

धुर्वे, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्री अनिल ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य श्री राजकुमार मेरावी, श्री अमित वर्मा, डॉ. रूपनाथ मानिकपुरी, श्री संदीप गुप्ता सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बोड़ला में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में नवनिर्मित अटल परिसर का किया लोकार्पण उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में अटल परिसर का निर्माण किया गया है, जिसका शुभारंभ आज मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के करकमलों से किया गया। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि श्रद्धेय स्व. अटल बिहारी वाजपेयी छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता हैं। उनका छत्तीसगढ़ से विशेष लगाव था। उन्होंने वर्ष 1998 में रायपुर में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा था कि हम नए राज्य का निर्माण करेंगे। अटल जी ने अपना यह संकल्प पूरा कर छत्तीसगढ़ को एक अलग पहचान दिलाई। उन्होंने कहा कि जब अटल बिहारी वाजपेयी जी देश के प्रधानमंत्री बने, तब उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की शुरुआत की। इसके परिणामस्वरूप गाँव-गाँव तक सड़कें पहुँचीं। सड़क निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और आवागमन में उल्लेखनीय सुधार हुआ। यह सब अटल जी की दूरदर्शी सोच और विकासशील दृष्टिकोण का परिणाम था। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि किसानों को साहूकारों के चंगुल से मुक्त कराने के लिए श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने किसान क्रेडिट कार्ड योजना की शुरुआत की। इस योजना से किसानों को समय पर ऋण उपलब्ध हुआ और उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता मिली। उन्होंने कहा कि किसानों के हित में यदि किसी ने ठोस और ऐतिहासिक कार्य किया, तो वह श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ही थे। उन्होंने आगे बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में वर्तमान सरकार भी अटल विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए जनकल्याण के कार्यों को प्राथमिकता दे रही है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रदेश की महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रूपए सीधे उनके बैंक खाते में प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि अटल परिसर आने वाली पीढ़ियों को अटल जी के विचारों, उनके योगदान और उनके द्वारा दिखाए गए विकास के मार्ग की निरंतर याद दिलाता रहेगा। उन्होंने कहा कि नगर पालिका अध्यक्ष एवं उनकी पूरी टीम बोड़ला नगर के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर समर्पित भाव से कार्य कर रही है।

संपादकीय

आंकड़ों में हेरफेर

वैश्विक सूचकांकों को तैयार करने में सरकारी एजेंसियां शामिल नहीं होतीं, इसीलिए उनकी साख है। आखिर ऐसी सरकारों के प्रतिमानों की क्या विश्वसनीयता हो सकती है, जो हकीकत छिपाने और आंकड़ों में हेरफेर करने के लिए बदनाम हों? आईने में सूरत खराब नजर आए, तो आईना ही हटा दिया जाए– भारत की बागडोर जिन लोगों के हाथ में है, उनका यह नजरिया अब खतरनाक हद पार कर रहा है। नजरिया इस हद तक पहुंच गया है कि बीमारी बताने वाली जांच रिपोर्ट तक को ठुकराया जाने लगा है। इसकी मिसाल बीते हफ्ते संसद में देखने को मिली, जब सरकार ने वायु गुणवत्ता संबंधी अंतरराष्ट्रीय सूचकांकों को अस्वीकार कर दिया। साथ ही एलान किया कि 'भारत अपने पैमाने खुद तय करता है। बीते लगभग दो महीनों से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की प्रदूषित हवा सुर्खियों में है। वायु गुणवत्ता बताने वाली मशीनों से हेरफेर के इल्जाम इस दौरान लगे हैं। यह एक नया पहलू है, जो इस वर्ष जुड़ा है। बहरहाल, पिछले अनेक वर्षों से प्रदूषित शहरों के वैश्विक सूचकांकों पर भारत की बेहद खराब स्थिति उभरती रही है। मगर इनसे सबक लेने और प्रदूषण दूर करने के संकल्पबद्ध उपाय करने के बजाय अब सरकार ने इन सूचकांकों की उपयोगिता को ही मानने से इनकार कर दिया है। पर्यावरण राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि वैश्विक रैंकिंग आधिकारिक नहीं हैं। इन्हें तैयार करने में कोई सरकारी एजेंसी शामिल नहीं होती। डब्लूएचओ के वायु गणवत्ता दिशा निर्देश भी महज परामर्श हैं, वे बाध्यकारी प्रतिमान नहीं हैँ। आईक्यूएयर की विश्व वायु गुणवत्ता रैंकिंग, डब्लूएचओ का ग्लोबल एयर क्वालिटी डेटाबेस, पर्यावरण प्रदर्शन इंडेक्स (ईपीआई) और ग्लोबल बर्डेन ऑफ डिजीज मेट्रिक्स आदि आधिकारिक नहीं हैं। इनका मकसद महज विभिन्न देशों को अपना प्रतिमान तय करने में मदद देना भर है। तो यह सरकार का नजरिया है। प्रश्न है कि सरकार के पैमाने क्या हैं और उन पर लोगों को क्यों भरोसा करना चाहिए? वैश्विक सूचकांकों को तैयार करने में चूंकि सरकारी एजेंसियां शामिल नहीं होतीं, इसीलिए उनकी दुनिया भर में साख है। आखिर ऐसी सरकारों के प्रतिमानों की क्या विश्वसनीयता हो सकती है, जो हकीकत छिपाने और आंकड़ों में हेरफेर करने के लिए बदनाम हों? बहरहाल, यह नजरिया भारतवासियों के लिए गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। यह जारी रहा, तो यही कहा जाएगा कि देश का वर्तमान जो भी हो, भविष्य तो कतई उज्ज्वल नहीं है।

जैम से जीवन भर की कमाई संकट में

हरिशंकर व्यास

जनधन खाते, आधार और मोबाइल यानी जैम ने लोगों का जीवन निश्चित ही बदला है। पर इन्हीं तीनों चीजों ने लाखों लोगों के जीवन को और उनकी जीवन भर की कमाई को संकट में भी डाला है। याद करें जब नोटबंदी का फैसला विफल होने लगा था और काला धन रोकने का दावा फेल हुआ तो कहा गया था कि इससे डिजिटल लेन देन बढ़ेगी। देश की अर्थव्यवस्था ज्यादा संगठित होगी। उस समय यह भी कहा गया कि लोग नकदी लेकर चलते हैं तो लूट हो जाने या छीन लिए जाने या पैसे गिर जाने का खतरा है। जबकि यदि उनके पास प्लास्टिक मनी हुई या उनके खाते को मोबाइल फोन के जरिए एक्सेस करके भुगतान हो सकेगा या पैसे निकाले जा सकेंगे या मोबाइल वॉलेट में पैसे होंगे तो छीन लिए जाने का खतरा कम होगा। लेकिन आज हालात क्या है? इसका उलटा हुआ। पहले लोगों के थोड़े से पैसे लूटे या छीने जाते थे लेकिन अब तो पूरी जमापूंजी ही गायब हो जाने का खतरा है। असंख्य लोग एक फ्रॉड काल में अपनी पूरी जमापूंजी गंवा चुके हैं। दूसरा संकट है कि इसमें असली ठगों की जगह दूसरे ऐसे लोग फंस रहे हैं, जिनका इससे कोई लेना देना नहीं होता है। वे अनजाने में या थोड़े से लालच में ठगों के जाल में फंसते हैं और फिर मुकदमे झेलते हैं। ऐसे लोगों में कॉलेज जाने वाले छात्र, बेरोजगार इंसान, गांवों में रहने और छोटे मोटे काम करके कमाई करने वाले लोग, बुजुर्ग या नशे के आदी लोग शामिल हैं। इनको पैसे का लालच देकर ऐसे काम के लिए कहा जाता है, जो इनकी नजर में गैरकानूनी नहीं होता है। सोचें, पहले जब लूटमार या छीनझपट होती थी तो उन घटनाओं को अंजाम देने वाले गिरफ्तार होते थे। वे इस जोखिम को समझते थे इसलिए घटनाएं कम ही होती थी। लेकिन अब जो असल में लूट को अंजाम देता है वह कौन है, कहां बैठा है किसी को पता नहीं होता है। उसके काम का अंजाम दूसरे लोग भुगतते हैं। अब ठगी और लूट की ऐसी व्यवस्था बन गई है कि तकनीक की समझ रखने वाले लोग बहुत सहज तरीके से और कम जोखिम उठा कर ज्यादा लूट कर रहे हैं। इस लूट को आम बोलचाल की भाषा में साइबर फ्रॉड के नाम से जाना जाता है। लेकिन इसके कई हिस्से हैं। एक क्रेडिट और डेबिट कार्ड का फ्रॉड है तो दूसरा मोबाइल वॉलेट से पैसे निकालने का फ्रॉड है, बैंकिंग से जुड़े फ्रॉड अलग हैं और सबसे ज्यादा चर्चा में डिजिटल अरेस्ट का फ्रॉड है। आम लोगों के लिए इसमें चिंता की बात यह होती है कि पुलिस भी तकनीक को लेकर बहुत जानकार नहीं है। बहुत देर से देश में साइबर थाने बने और साइबर क्राइम रजिस्टर्ड होने लगा लेकिन तब भी इसकी जांच करने वाले तकनीकी विशेषज्ञों की संख्या बहुत कम रही। जो ठगी करते हैं वे जांच करने वालों से मीलों आगे होते हैं। पारंपरिक ठगी और लूटमार में पुलिस अपने तरीके से अपराधियों तक पहुंच जाती है लेकिन साइबर अपराध में यह मुश्किल होता है। इसलिए साइबर अपराधियों के पकड़े जाने और लूटे गए पैसे की रिकवरी का औसत बहुत कम है। किस तरह से आम लोगों से ठगी होती है और कैसे उसमें सीधे सादे लोग फंसते हैं यह जानना हैरान करने वाला है। सरकार ने लोगों के बैंक खाते, आधार, पैन और मोबाइल नंबर को लिंक करके उनका काम आसान बना दिया है। अगर साइबर ठग के पास किसी व्यक्ति का कोई एक नंबर है तो वह बड़ी आसानी से उसकी सारी जानकारी हासिल कर सकता है। सबको पता है कि भारत में आए दिन डाटा लीक होता रहता है, जिससे आम लोगों की सारी जानकारी ठगों तक पहुंचती है। इसके अलावा साइबर ठग लोगों के सोशल मीडिया अकाउंट्स को भी ट्रैक करते हैं।

भारत की सबसे बड़ी समस्या वायु प्रदूषण

अजीत द्विवेदी

राजधानी दिल्ली और राजधानी क्षेत्र यानी एनसीआर का हर शहर वायु प्रदूषण की आपदा का शिकार है। यह अलग बात है कि सरकार इसे आपदा स्वीकार करने को तैयार नहीं है। संसद के शीतकालीन सत्र में केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री प्रतापराव जाधव ने राज्यसभा में बताया कि ऐसा कोई आंकड़ा देश में उपलब्ध नहीं है, जो किसी बीमारी या मृत्यु को सीधे तौर पर वायु प्रदूषण से जोड़ सके। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों को सांस से संबंधित जो बीमारियां हो रही हैं उनमें हो सकता है कि एक कारण वायु प्रदूषण हो। इस तरह सरकार ने पल्ला झाड़ लिया और यह भी कह दिया कि सिर्फ वायु प्रदूषण से कोई बीमारी हो रही है या किसी की मौत हो रही है, इसका न कोई प्रमाण है और न कोई आंकड़ा है।

दूसरी ओर लोकलसर्कल्स की ओर से कराए गए ताजा सर्वेक्षण में दिल्ली में 82 फीसदी लोगों ने माना है कि है उनके किसी न किसी परिचित या रिश्तेदार को वायु प्रदूषण के कारण सांस से जुड़ी बीमारी हुई है। आठ फीसदी लोग दिल्ली छोड़ कर जाने को तैयार हैं और 74 फीसदी लोग इलाज के खर्च को लेकर चिंता में हैं। यह सर्वे तब का है, जब पड़ोस के राज्यों में किसानों का पराली जलाना बंद हो चुका है और फिर भी एक्यूआई सरकारी रीडिंग की अधिकतम सीमा पांच सौ तक पहुंचा हुआ है!

असल में वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई का लगातार 'खराब' या 'बेहद खराब' या 'गंभीर' और 'खतरनाक' श्रेणी में होना सिर्फ दिल्ली और एनसीआर की परिघटना नहीं है। धीरे धीरे यह पूरे देश की परिघटना बन गई है। देश के बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक हवा की खराब गुणवत्ता करोड़ों लोगों के जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रही है। गंगा यमुना के मैदानी इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित हैं लेकिन देश के ज्यादातर शहरों में हवा के साथ जो अलग अलग साइज का पार्टिकुलेट मैटर यानी पीएम लोगों के फेफड़ों में भर रहा है वह लोगों की उम्र घटा रहा है। वह छोटे छोटे बच्चों के फेफड़े भी खराब कर रहा है।

सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर की रिपोर्ट के मुताबिक 2025 में देश के ढाई सौ से ज्यादा शहरों में हवा की गुणवत्ता को मॉनिटर किया गया और उनमें से डेढ़ सौ शहरों में पीएम 2.5 की मात्रा इसके लिए निर्धारित राष्ट्रीय औसत से ज्यादा मिली। इसके मुताबिक गंगा यमुना का मैदानी इलाका सबसे ज्यादा प्रभावित है। 2025 में दिल्ली में सर्दियों के मौसम में प्रति घनमीटर हवा में पीएम 2.5 का स्तर 107 से 130 रहा, जो भारत में तय राष्ट्रीय औसत 60 से दोगुने से भी ज्यादा है। हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन, डब्लुएचओ ने तय किया है कि प्रति घनमीटर पीएम 2.5 का औसत 15 होना चाहिए। इसके मुताबिक आठ गुने से भी ज्यादा है। पीएम 2.5 सबसे बारीक और खतरनाक धूल कण होते हैं, जो सांस के साथ शरीर में जाते हैं और रक्त कोशिकाओं में घुल कर शरीर के हर हिस्से में पहुंच जाते हैं। ये समान रूप से हृद्य को, मस्तिष्क को और दूसरे अहम अंगों को नुकसान पहुंचाते हैं।

हवा की खराब गुणवत्ता दिल्ली के लोगों के जीवन को किस तरह से मुश्किल में डाल रही है इसको शिकागो यूनिवर्सिटी के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट के एयर क्वालिटी लाइफ इंडेक्स से समझा जा सकता है। इसके मुताबिक भारत में 46 फीसदी यानी लगभग आधे भारतीय ऐसे क्षेत्रों में रहते हैं, जहां वायु प्रदूषण के कारण औसत आयु में कमी आ रही है। अगर विश्व स्वास्थ्य संगठन के ओर से तय पीएम 2.5 के औसत को आधार मान कर देखें तो दिल्ली में प्रति व्यक्ति औसत आयु आठ साल कम हो रही है। स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर रिपोर्ट 2025 के मुताबिक 2023 में वायु प्रदूषण के कारण भारत में 20 लाख लोगों की मौत हुई है। प्रदूषण से जुड़ी मृत्युदर में सन 2000 के बाद से 40 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। सोचें, एक तरफ इतनी बड़ी संख्या में मौतें हो रही हैं, जो किसी न किसी रूप में प्रदूषण से जुड़ी हैं तो दूसरी ओर सरकार कह रही है कि उसके पास वायु प्रदूषण से होने वाली बीमारी और मौत का कोई आंकड़ा नहीं है!

ऐसा कैसे हो सकता है कि सरकार पीएम 2.5 और पीएम 10 के लोगों की सांस के साथ फेफड़े में और उनकी धमनियों में जाने के असर का आकलन नही कर सके, जबकि यह आज की समस्या नहीं है? दो दशक से ज्यादा समय से सर्दियों में पार्टिकुलेट मैटर्स के हवा के साथ नीचे आने और सांस के रास्ते लोगों के शरीर में प्रवेश करने और रक्त प्रवाह में शामिल होकर कई किस्म की बीमारियों को जन्म देने का खतरा जानकारों द्वारा बताया जा रहा है। पर्यावरण का अध्ययन करने वाली संस्थाओं के साथ साथ स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाले जानकार और डॉक्टर लगातार इसे लेकर चेतावनी दे रहे हैं। कई अध्ययन यह बताते हैं कि अगर हवा में पीएम 2.5 के स्तर में 10 अंक की बढ़ोतरी होती है तो लंबे समय में यह मृत्यु दर को आठ फीसदी बढ़ा देता है और यह दिल की बीमारियों को कई गुना बढ़ाता है।

सरकार विदेशी एजेंसियों के आंकड़ों पर सवाल उठा सकती है। लेकिन क्या एम्स दिल्ली की रिपोर्ट को भी खारिज कर सकती है? एम्स दिल्ली का क्लीनिकल डाटा बताता है कि अगर पीएम 2.5 के स्तर में 10 अंक की बढ़ोतरी होती है तो बच्चों में सांस की बीमारियों में 20 से 40 फीसदी तक का इजाफा हो जाता है। उनके फेफड़े के काम करने की क्षमता 10 से 15 फीसदी तक कम हो जाती है। यह मामूली चिंता की बात नहीं है कि देश के छह फीसदी बच्चे अस्थमा जैसी बीमारी से ग्रस्त हो गए हैं। जिस तरह से वायु प्रदूषण दिल और फेफड़े को प्रभावित करता है उसी तरह से यह मस्तिष्क को भी प्रभावित करता है। रक्त प्रवाह के साथ पीएम 2.5 जब ब्रेन तक पहुंचता है तो कई किस्म की न्यूरो समस्याओं को जन्म देता है। बच्चों में सोचने समझने की क्षमता को कम कर देता है और बड़े लोगों में याद्दाश्त को घटाता है। कई अंतरराष्ट्रीय अध्ययन से पता चलता है कि पीएम 2.5 की 10 अंक की मात्रा बढ़ने पर डिमेंशिया का खतरा 35 से 50 फीसदी तक बढ़ जाता है।

वायु प्रदूषण का खतरा वैसे तो हर वर्ग के लोगों के लिए है लेकिन सड़क के किनारे रहने वाले और औद्योगिक क्षेत्रों में खुले में रहने वाले लोग इससे ज्यादा प्रभावित हैं। क्षेत्र के हिसाब से देखें तो पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। भारत की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वायु प्रदूषण को सीजनल समस्या मान कर संभालने का प्रयास किया जाता है। सर्दियों में वायु प्रदूषण बढ़ता है तो पराली जलाने से लेकर दिवाली के पटाखों या गाड़ियों के प्रदूषण पर इसका ठीकरा फोड़ा जाता है। इसके बाद ग्रेडेड रिस्पांस एक्सन प्लान यानी ग्रैप के जरिए इसे काबू में करने का प्रयास होता है। लेकिन ग्रैप तात्कालिक उपाय है यह प्रदूषण रोकने का उपाय नहीं हो सकता है। इसकी बजाय पूरे साल गाड़ियों का धुआं, उद्योगों का धुआं, निर्माण और तोड़ फोड़ से उड़ने वाली धूल, कचरा जलाने और हाउसहोल्ड बायोमास को रोकने का प्रयास होना चाहिए। चीन की मिसाल से इसे समझना चाहिए। चीन में भारत से ज्यादा गाड़ियां हैं और ज्यादा धुआं निकलता है लेकिन उसने वायु प्रदूषण पर काबू पा लिया है।

यह तो आजादी के बाद से चली आ रही परंपरा है

सुनील दास

देश में लोकतंत्र है और लोकतंत्र में चुनाव सबसे ज्यादा अहम होते हैं। यानी लोकतंत्र है तो समय पर चुनाव होने चाहिए। इसलिए देश व राज्यों में हर पांच साल में चुनाव होते हैं।चुनाव राजनीतिक दल लड़ते हैं और कई दलों में जनता किसी एक दल को सत्ता सौंपती है यानी जनहित व राज्य हित व देश हित के काम करने के लिए जनता एक राजनीतिक दल को चुनती है। राजनीतिक दलों को चुनाव लड़ने के लिए पैसों की जरूरत होती है। इसके अलावा राज्य व देश में राजनीतिक दल को चलाने के लिए पैसों की जरूरत होती है। इसके लिए आजादी के बाद से व्यवस्था यही है कि राजनीतिक दलों को दान दिया जाए। दान बड़े बड़े औद्योगिक घराने देते है। इसके अलावा पार्टी सदस्यता सहित कई तरह से पार्टी का फंड जुटाया जाता है। सब जानते हैं कि इसके लिए जायज से लेकर नाजायज तरीके काम में लाए जाते हैं। भाजपा ने चंदे की व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए इलेक्टोरल बांड की व्यवस्था की थी। पुरानी व्यवस्था से यह व्यवस्था ठीक मानी गई लेकिन इसके लिए बनाई गई योजना को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द की तो उसके बाद से पुरानी व्यवस्था से ही राजनीतिक दलों को चंदा मिल रहा है या दान मिल रहा है। राजनीतिक दलों के मिले दान व चंदा के आंकड़े सामने आए तो इस बात की खूब चर्चा हो रही है कि ट्रस्टों की ओर से राजनीतिक दलों को दान की गई कुल धनराशि का 3112 करोड़ यानी 82 प्रतिशत से अधिक धन भाजपा को मिला है। आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 24-25 में 9 चुनावी ट्रस्टों ने राजनीतिक दलों को 3811 करोड़ रुपए दान किया है।इसका 82 प्रतिशत भाजपा को मिला है,299 करोड़ रुपए यानी आठ प्रतिशत कांग्रेस को मिला है और बाकी राजनीतिक दलों को 400 करोड़ यानी 10 प्रतिशत मिला है। राष्ट्रीय दलों में प्रमुख भाजपा व कांग्रेस हैं। जो भी राष्ट्रीय दल होते हैं, उनको क्षेत्रीय दलों की तुलना में औद्योगिक घरानों से ज्यादा दान मिलता है। प्रमुख राष्ट्रीय दलों में जो केंद्र में सत्ता में होता है और राज्यों में सत्ता में होता है, उनको राजनीतिक घरानों से स्वाभाविक रूप से दान ज्यादा मिलता है। यह परंपरा तो कांग्रेस के समय से चली आ रही है। जब कांग्रेस केंद्र व ज्यादातर राज्यों मे सत्ता में रहती थी तो उसको सबसे ज्यादा दान औद्योगिक घरानों से मिला करता था। तब भाजपा को कांग्रेस से कम दान मिला करता था क्योंकि वह न केंद्र में न ही राज्य में सत्ता में थी।तब भाजपा इस बात की शिकायत नहीं करती थी कि कांग्रेस को ज्यादा चंदा मिलता है, हमको कम मिलता है। ऐसे में तो हम चुनाव कैसे जीत सकते हैं।भाजपा ने अपने आपको को कांग्रेस के विकल्प के रूप में पेश किया, मोदी के नेतृत्व में केंद्र व राज्यों में चुनाव जीते उसके बाद औद्योगिक घरानों ने उसे चंदा देना शुरू किया। और आज सबसे ज्यादा दान उसे मिल रहा है तो इसलिए मिल रहा है कि वह सत्ता में है। वह चुनाव जीतती है। रामलीला मैदान में वोटचोरी के मुद्दे पर हुई रैली में राहुल गांधी,कांग्रेस अध्यक्ष खरगे इस बात की शिकायत करते रहे कि चुनाव में सबके लिए बराबरी का मौका नहीं होता है तो यह स्थिति कोई मोदी सरकार के आने के बाद नहीं बनी है। जो भी सत्ता में रहता है, उसके बाद संसाधन ज्यादा होते हैं। जब कांग्रेस सत्ता में थी तो उसके पास सबसे ज्यादा पैसा व संसाधन होते थे और वह चुनाव जीतती थी। पैसा होने से राजनीतिक दल हर तरह से मजबूत होता है, पैसा न होने पर राजनीतिक दल हर तरह से मजबूत नहीं होता है। यह भारतीय राजनीति की कड़वी सच्चाई है। राजनीतिक दलों के लिए आर्थिक रूप से मजबूत होना चुनाव जीतने के लिए जरूरी होता है, इसलिए हर राजनीतिक चुनाव पांच साल में जरूर जीतना चाहता है। चुनाव जीतने पर ही राजनीतिक दल आर्थिक रूप से मजबूत होता है। जो दल चुनाव नही जीता पाता है, वह हर तरह से कमजोर होता जाता है। चुनाव जिताने की जिम्मेदारी राजनीतिक नेतृत्व की होती है। यदि वह एक चुनाव नहीं जिता पाता है तो उसके लिए दूसरा चुनाव जीतना बहुत जरूरी होता है क्योंकि चुनावी हार का राजनीतिक दल पर कई तरह से बुरा प्रभाव पड़ता है। यदि राजनीतिक नेतृत्व दूसरी बार भी चुनाव नहीं जीता पाता है तो नेता पार्टी छोड़कर जाने लगते हैं, दान देने वाले दान देना कम करने लगते हैं। राहुल गांधी के नेतृत्व में तो कांग्रेस तीन चुनाव हार गई है और कई राज्यों में चुनाव कांग्रेस हारती जा रही है।

अमेरिका में रोज़मर्रा का भोजन

विवेक रंजन श्रीवास्तव

भारत की विविधता भरी एक थाली के बजाय अमेरिका में आम लोगों का रोजमर्रा का भोजन उनकी आदतों और सुविधाओं से बनती हुई तस्वीर है। एक बुनियादी ढांचा साफ दिखता है, नाश्ते में जल्दी तैयार होने वाली चीज़ें, दोपहर में हल्का और सुविधाजनक भोजन, और रात में अपेक्षाकृत भरपेट, अक्सर घर पर पकाया हुआ खाना। खाने की इस दिनचर्या के भीतर सुविधा, स्वाद, बजट और स्वास्थ्य, इन चारों के बीच लगातार खींचतान चलती रहती है, और यही अमेरिकी रोज़मर्रा के भोजन की कहानी है।

नाश्ते की बात करें तो बड़ी संख्या में लोग सुबह समय की कमी के कारण फटाफट तैयार होने वाला नाश्ता चुनते हैं। दूध के साथ कॉर्नफ्लेक्स या अन्य सीरियल, टोस्ट पर मक्खन या पीनट बटर, उबले या भुर्जी अंडे, ओटमील, केला या कोई और फल और साथ में कॉफी या जूस , यही आम नज़ारा है। कामकाजी लोग और छात्र अक्सर सिर्फ कॉफी और किसी छोटी-सी चीज़, जैसे ग्रेनोला बार या डोनट या सिर्फ सोया मिल्क लेते हैं जबकि सप्ताहांत पर समय मिलने पर पैनकेक, वॉफ्ल, अंडा-बेकन,हमस, सॉसेज और आलू से बना अपेक्षाकृत भारी नाश्ता भी पसंद किया जाता है। कुछ इलाके खासतौर पर दक्षिणी राज्यों में बिस्किट और ग्रेवी जैसे स्थानीय व्यंजन भी पारंपरिक नाश्ते के रूप में मौजूद हैं जो रोज़ नहीं तो खास मौकों पर ज़रूर दिखाई देते हैं।

दोपहर का भोजन ज़्यादातर लोगों के लिए सुविधा और पोर्टेबिलिटी का मामला होता है। ऑफिस जाने वाले या स्कूल के बच्चे अक्सर सैंडविच को सबसे आसान विकल्प मानते हैं । रोटी के बीच टर्की, हैम, ट्यूना या किसी अन्य डेली मीट के साथ चीज़, सलाद पत्ते और सॉस , साथ में चिप्स का छोटा पैकेट, कोई फल या दही। बहुत से लोग पिछली रात के बचे खाने को माइक्रोवेव में गर्म करके भी लंच के रूप में इस्तेमाल करते हैं, जिससे समय और पैसे दोनों की बचत होती है। जो लोग घर पर रहते हैं, उनके लिए सूप, हल्का सलाद, छोटे हिस्से में पास्ता या जमे हुए (फ्रोज़न) पैक्ड भोजन आम हैं, हालांकि स्वास्थ्य को लेकर बढ़ती जागरूकता के कारण ताज़ी सब्ज़ियों और बेहतर गुणवत्ता वाले प्रोटीन की ओर झुकाव भी बढ़ रहा है। कहीं-कहीं फास्ट फूड रेस्तरां या टेक अवे से लिया गया बर्गर, टैको, पिज़्ज़ा या बुरिटो, हाटडाग भी रोज़मर्रा के लंच का हिस्सा बन जाता है, खासकर उन लोगों के लिए जो लगातार घर से बाहर भागदौड़ में रहते हैं। दिन का सबसे औपचारिक भोजन आम तौर पर रात का खाना माना जाता है, जब परिवार के सदस्य एक साथ बैठने की कोशिश करते हैं। यहाँ सबसे आम ढांचा है , एक प्रकार का मांस, एक, दो तरह की सब्ज़ी और कोई स्टार्च, जैसे आलू, चावल या पास्ता। ग्रिल्ड या बेक्ड चिकन की पीस के साथ ब्रोकोली और चावल, मीट सॉस के साथ पास्ता, सब्ज़ियों वाला स्टर फ्राय, स्टेक के साथ आलू और सलाद, या फिर ओवन में बना पिज़्ज़ा ये सब रोज़मर्रा के डिनर की परिचित तस्वीरें हैं।

अमेरिकी समाज की विविधता भी उनकी थाली में दिखाई देती है। इतालवी मूल के पास्ता और पिज़्ज़ा, मेक्सिकन मूल के टैको और बुरिटो, एशियाई मूल के नूडल्स, फ्राइड राइस और स्टर फ्राय, और हाल के वर्षों में भारतीय, थाई या मिडिल ईस्टर्न व्यंजन भी आम घरों की मेज तक पहुँचने लगे हैं। भारतीय भोजन , पंजाबी तड़का , दक्षिण भारतीय भोजन के रेस्तरां भी खुल गए हैं, जो लोकप्रिय हैं। चिकन फ्राय की कई डिशेज मिलती हैं। डिनर के साथ वाइन, वोदका या अन्य शराब परोसी जाती है। इस तरह अमेरिकी डिनर अपने भीतर प्रवासी समुदायों की कई परंपराओं को समेटे होता है।

फास्ट फूड और बाहर का खाना अमेरिकी भोजन संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन यह हर दिन की थाली का इकलौता चेहरा नहीं है। बहुत से लोग सप्ताह के ज़्यादातर दिनों में घर का खाना ही चुनते हैं और बाहर खाना, टेक अवे या डिलीवरी को खासतौर पर व्यस्त दिन, छुट्टियों या ट्रीट के लिए बचाकर रखते हैं। बर्गर, फ्राइड चिकन, पिज़्ज़ा और टैको जैसी चीज़ें बच्चों और युवाओं में विशेष रूप से लोकप्रिय हैं, जबकि सलाद बार, बाउल (जिसमें अनाज, सब्ज़ियाँ और प्रोटीन मिलाकर परोसा जाता है) और हल्के सैंडविच जैसे विकल्प स्वास्थ्य सचेत या डाइट पर ध्यान देने वाले लोगों के बीच बढ़ रहे हैं। महँगाई, समय की कमी और स्वास्थ्य, इन तीनों के दबावों के बीच बहुत से परिवार खुद खाना पकाने और कभी-कभी बाहर खाने, इन दोनों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करते हैं।

ओबेसिटी की समस्या से अमेरिका परेशान है, इसलिए अब जिम, हरी सब्जियां (ज्यादातर इंपोर्ट होती हैं) भोजन का हिस्सा बन रहा है। स्वास्थ्य के नज़रिए से देखें तो शोध यह दिखाते हैं कि जो लोग नियमित रूप से घर पर खाना पकाते हैं, वे औसतन कम कैलोरी, कम नमक और कम अतिरिक्त चीनी का सेवन करते हैं और अपने आहार को तुलनात्मक रूप से ज़्यादा संतुलित मानते हैं। दूसरी तरफ फास्ट फूड और अत्यधिक प्रोसेस्ड भोजन का अधिक उपयोग मोटापा, हृदय रोग और अन्य जीवनशैली संबंधी समस्याओं से जोड़ा जाता है, इसलिए नीतिगत स्तर पर भी सब्ज़ियों, फल, साबुत अनाज और कम वसा वाले प्रोटीन के उपयोग को बढ़ावा देने पर ज़ोर दिया जाता है। आम अमेरिकी के रोज़मर्रा के भोजन को अगर एक वाक्य में समझना हो तो कहा जा सकता है कि यह सुविधा और स्वाद से शुरू होकर, जेब और स्वास्थ्य के बीच किसी व्यावहारिक समझौते पर जाकर रुकता है। कॉर्नफ्लेक्स से लेकर टैको और सलाद से लेकर बर्गर तक, सबको अमेरिका के लोगों के आम रोजमर्रा के भोजन में अपनी-अपनी जगह मिलती रहती है। यहाँ प्रोटीन , ग्रीनस , और कार्ब्स का संतुलन बनाने की मशक्कत होती है, क्योंकि पैक्ड , क्रिक प्रिपेयर फूड पॉपुलर है। सप्ताह भर के लिए बनी बनाई थालीयां होम डिलिवरी से मिल जाती हैं, जिन्हें बस माइक्रोवेव करना होता है। भोजन के साथ में कोक लेने का प्रचलन है। दूध के चार या दो लीटर के डब्बे ग्रॉसरी से खरीदे जाते हैं। काफी, चाय से ज्यादा लोकप्रिय है।

सर्दी के मौसम में बड़े बुजुर्गों का रखें खास ख्याल

सर्दी का मौसम बुजुर्गों के लिए किसी मुसीबत से कम नहीं होता है। इस मौसम में बीमारियों का खतरा कई गुना तक बढ़ जाता है। खासतौर पर बुजुर्गों को इस मौसम में ज्यादा परेशानियां होती हैं। WHO की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर साल ठंड के मौसम में 60 से ज्यादा उम्र वालों की मौत का आंकड़ा बढ़ जाता है। इस मौसम में तीन बीमारियों हार्ट अटैक, अस्थमा और ब्रेन स्ट्रोक का जोखिम कई गुना तक बढ़ जाता है। हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक के केस हाई बीपी के मरीजों में अधिक देखने को मिलते हैं। वहीं, अस्थमा वाले मरीजों की परेशानी भी बढ़ जाती है।

बुजुर्गों की सेहत का खास ख्याल रखें

सर्दी के मौसम को लेकर हेल्थ एक्सपर्ट्स सलाह देते हैं कि इस मौसम में बुजुर्गों की सेहत का खास ख्याल रखना चाहिए। ठंड में सुबह के वक्त हार्ट अटैक का खतरा सबसे ज्यादा रहता है। इस मौसम में हार्ट की आर्टरीज में कम तापमान के चलते क्लॉट हो जाते हैं, जिसकी वजह से हार्ट अटैक का जोखिम ज्यादा रहता है। 60 साल से ज्यादा उम्र वालों में तो यह काफी खतरनाक हो सकता है। इसलिए बुजुर्कों को विशेष सावधानियां बरतनी चाहिए।

हार्ट अटैक या दिल की बीमारियों से कैसे बचें

हार्ट की बीमारियों से बचने के लिए सबसे पहले ब्लड प्रेशर का ध्यान रखना चाहिए। अगर बीपी लगातार बढ़ रही है तो डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए। अधिक ठंड रहने पर मॉर्निंग वॉक करने से बचना चाहिए, साथ ही खानपान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। डाइट में फैट कम लेना चाहिए और प्रोटीन-विटामिन को जरूर रखना चाहिए। डॉक्टर की सलाह के अनुसार एक्सरसाइज करना चाहिए।

ब्रेन स्ट्रोक से कैसे बचें

सर्दी के मौसम में बुजुर्गों को ब्रेन स्ट्रोक का जोखिम ज्यादा रहता है। इससे बचने के लिए इनके लक्षणों पर ध्यान देना जरूरी होता है। अचानक से तेज सिरदर्द होने, आंखों से धुंधलापन दिखने या बोलने में परेशानी आए तो बिना समय गंवाएं डॉक्टर के पास जाना चाहिए, क्योंकि ये ब्रेन स्ट्रोक के लक्षण हो सकते हैं।

अस्थमा से कैसे बचें

सर्दियों में बुजुर्गों में अस्थमा की परेशानी भी बढ़ जाती है। इससे बचने के लिए बुजुर्गों को धूल, मिट्टी और प्रदूषण में जानें से बचना चाहिए। समय पर दवाईयां लेनी चाहिए और इनहेलर को साथ रखना चाहिए। लगातार खांसी आ रही है तो डॉक्टर की सलाह लेकर दवाईयां लें। बाहर जाते समय बुजुर्ग मुंह-नाक ढककर रखें।

बैंबू का पौधा रखने के जरूरी वास्तु टिप्स

बैंबू प्लांट को एक लकी पौधा माना जाता है। इसे लोग अपने घर, ऑफिस के डेस्क पर रखना पसंद करते हैं। यह छोटा सा पौधा खूबसूरत होने के साथ ही घर में सौभाग्य लाता है। आसपास पॉजिटिव एनर्जी बनाए रखता है। सर्दियों के मौसम में पौधों का खास ध्यान ना रखा जाए तो इनकी पत्तियां पीली पड़ने लगती हैं, मुरझाने लगती हैं। ऐसे में आप चाहते हैं कि आपके घर साकारात्मक ऊर्जा का संचार होता रहे, सुख-समृद्धि बनी रहे तो आप बैंबू के पौधे की देखभाल के लिए कुछ बातों का ध्यान रखें। हालांकि, इसे अधिक धूप की जरूरत नहीं होती, लेकिन महीनों हरा-भरा रखने के लिए इस तरह करें इसकी देखभाल।

बैंबू प्लांट की देखभाल के तरीके

❐ बैंबू का पौधा आपके घर है तो उसे हरा-भरा और मोटा बनाए रखने के लिए शुरुआत में ही इसे लगाने के लिए सही पॉट और मिट्टी का चयन करें। पॉट में नीचे की तरफ पानी निकलने की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। इससे पानी गमले या पॉट में जमा नहीं होगा। मिट्टी में खाद भी किसी एक्सपर्ट की सलाह पर डालते रहें, ताकि बैम्बू का पौधा लगातार बढ़ता रहे।

❐ लकी बैंबू प्लांट में लगातार नमी बनाए रखना जरूरी है, लेकिन इसे जरूरत से ज्यादा गीला ना रखें। पौधे को कम से कम पानी दें, ताकि पानी देने के बाद मिट्टी बहुत अधिक गीला ना रहे, जल्दी सूख जाए। नल का पानी ना दें, बेहतर होगा कि फिल्टर किए गए पानी का उपयोग करें। टैप वाटर डालने से हानिकारक मिनरल्स का संचय होने लगता है, जिससे पौधे को नुकसान हो सकता है।

❐ बैंबू प्लांट हर तरह की लाइट के अनुकूल है, लेकिन ये इनडायरेक्ट लाइट में पनपता है। ऐसे में ध्यान रखें कि इस पौधे पर सीधी धूप ना पड़े वरना पत्तियां झुलस सकती हैं। यदि पौधा लंबा या पतला दिखाई देता है, तो अधिक मोटा और घना विकास हो, इसके लिए प्रकाश के संपर्क को समायोजित करने पर विचार करें।

❐ आप बैंबू प्लांट को हर सप्ताह अलग-अलग जगहों पर रखें, ताकि पौधे पर हर तरफ समान रूप से सूर्य की रोशनी पड़े। यह असंतुलित विकास को रोकने में मदद करता है और पौधे को समान रूप से विकसित होने के लिए प्रोत्साहित करता है।

❐ तापमान का भी ध्यान रखना जरूरी है। बैम्बू प्लांट को 65 फेरनहाइट से 90फेरनहाइट (18 सी से 32 सी) के तापमान में रखना चाहिए। इसे बहुत अधिक ठंड में ना रखें। घर के बाहर बालकनी में सर्दी के मौसम में रखने से बचें वरना ये खराब हो सकता है।

कैसे करें नवजात शिशु की देखभाल?

हाथ धोना: छोटे बच्चे को संभालने से पहले अपने हाथों को धोना सुनिश्चित करें या कम से कम एक सैनिटाइजर का उपयोग करें। चूंकि एक नवजात शिशु के मामले में प्रतिरक्षा प्रणाली इतनी मजबूत नहीं है, इसलिए संक्रमण होने की पूरी संभावना है। इसके अलावा, अन्य लोगों के मामले में जो बच्चे को संभाल रहे हैं, सुनिश्चित करें कि उनके हाथ साफ हैं।

सहारा प्रदान करना: नवजात शिशु के मामले में गर्दन की मांसपेशियों का विकास नहीं होता है। यही कारण है कि शिशुओं को उन्हें पकड़ते समय सहारे की आवश्यकता होती है। शिशु को उठाते हाथ से सहारा देना शिशु को संभालने का एक सुरक्षित तरीका है।

शिशु को ज़ोर से हिलाएं नहीं : खेलते समय बच्चे को हिलाने से मस्तिष्क में रक्तस्राव हो सकता है जो घातक हो सकता है। यहां तक कि जब बच्चे को जगाने का समय हो, तो पैरों को हल्के से गुदगुदी करने से शिशु जाग जाएगा। सुरक्षित रूप से जकड़नाः जब भी बच्चे को स्ट्रोलर या कार की सीट पर ले जाया जाता है, तो सुनिश्चित करें कि बच्चे को अच्छी तरह से जकड़ें ताकि दुर्घटना का कोई भी मौका न हो। इसके अलावा, उन सड़कों से बचने की कोशिश करें जो बहुत ऊबड़-खाबड़ हैं।

कठोर खेल ना करें : नवजात शिशु की देखभाल के लिए आवश्यक सुझावों में से एक यह याद रखना है कि बच्चा किसी भी तरह के रफ प्ले के लिए तैयार नहीं है। इसलिए, शिशु को घुटने के बल बैठाना या हवा में फेंकना बिल्कुल भी अनुशंसित नहीं है। तो, ये कुछ टिप्स हैं कि शिशु की सही तरीके से देखभाल कैसे करें। इन युक्तियों के अलावा, बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए और एक उचित संबंध सुनिश्चित करने के लिए अन्य कारक भी हैं जिन्हें ध्यान में रखा जाना चाहिए।

एक नया माता-पिता बनना धीरे-धीरे आपको बहुत सारी चीजें सीखा देगा। यहां कुछ बुनियादी चीजें हैं जो एक माता-पिता को दैनिक रोज़ मर्रा ध्यान रखने की आवश्यकता है। उल्लिखित तरीके प्रक्रिया को आसान बना सकते हैं।

डायपर बदलना: यह माता-पिता पर निर्भर करता है कि वे कपड़े या डायपर में से किसका चुनाव करेंगे। ज़्यादा फर्क नहीं पड़ता कि क्या इस्तेमाल किया जा रहा है, नवजात शिशु एक दिन में कम से कम 10 बार इसे गंदा कर देगा। यदि डायपर का उपयोग किया जा रहा है, तो उन चीजों की एक सूची है जिन्हें संभाल कर रखा जाना चाहिए। बाँधने का कपड़ा डायपर बदलते समय बच्चे को उसकी पीठ पर लिटाएं और डायपर बदलें।

घर पर शिशु देखभाल एक व्यक्तिगत और प्रभावी नवजात शिशु देखभाल के लिए सबसे अच्छे विकल्पों में से एक है। छोटे बच्चे अत्यंत नाज़ुक होते हैं इसलिए उनकी देखभाल को सावधानीपूर्वक किया जाना चाहिए। कई माता और शिशु देखभाल केंद्र हैं जहां आप बाहरी सहायता प्राप्त करने के लिए संपर्क कर सकता है। हालाँकि, यदि आपने शिशु देखभाल केंद्र का विकल्प नहीं चुना है और खुद से शिशु की देखभाल करने का निर्णय लिया है तो यहाँ कुछ सुझाव दिए गए हैं जो सहायक हो सकते हैं।

चाय के साथ भूलकर भी न खाएं ये चीजें

चाय पीना किसे पसंद नहीं होता है। ज्यादातर लोगों का मॉर्निंग ड्रिंक अक्सर चाय ही होता है। कुछ लोग इसे बिस्किट के साथ तो कुछ लोग किसी स्नैक के साथ पीना पसंद करते हैं। लंबी थकान को दूर करना हो या मूड को अच्छा करना हो, चाय लोगों की इन परेशानियों को दूर करने में मददगार साबित होता है। हालांकि क्या आप जानते हैं कि चाय के साथ हर फूड आइटम को नहीं खाया जाना चाहिए?चाय पीते वक्त हम अक्सर इस बात को नजरअंदाज कर देते हैं कि इसके साथ खाई जाने वाली कुछ चीजें हम पर बुरा प्रभाव डाल सकती हैं। अपने स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए यह जरूरी है कि आप चाय के साथ कभी-भी इन फूड आइटम्स को न खाएं, जिनका जिक्र हम नीचे करने जा रहे हैं।

आयरन से भरपूर चीजे

चाय पीते वक्त हरी पत्तेदार सब्जियों, मसूर, अनाज जैसे आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करने से खासतौर से बचना चाहिए। एक्सपर्ट के मुताबिक, चाय टैनिन और ऑक्सलेट से भरपूर होता है, जो इन खाद्य पदार्थों से मिलने वाले आयरन को शरीर में अब्जॉर्ब होने से रोकता है।

नींबू

साइट्रस नींबू विटामिन C से भरपूर होता है। ये स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है। हालांकि दूध की चाय के साथ इसका सेवन करना अच्छा साबित नहीं होता। भले ही नींबू की चाय वजन घटाने के लिए एक पॉपुलर ड्रिंक हो। लेकिन चाय की पत्तियों को नींबू के साथ मिलाने से आपको हाई एसिडिटी, डकार और एसिड रिफ्लक्स जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कभी-भी सुबह-सुबह नींबू की चाय का सेवन नहीं करना चाहिए। अगर आप पहले से ही एसिडिटी की समस्या से परेशान रहते हैं तो नींबू की चाय से बचना ही आपके लिए बेहतर है।

बेसन

चाय और पकोड़े का कॉम्बिनेशन किसे पसंद नहीं होता। जब कभी बारिश का मौसम होता है तो लोगों के मन में सबसे पहले चाय और पकोड़े खाने की इच्छा पैदा होती है। मगर क्या आप जानते हैं कि कुरकुरे या टेस्टी पकोड़े सबसे नुकसानदायक फूड आइटम्स में से एक हैं। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, बेसन पोषक तत्वों को ब्लड में अब्जॉर्ब होने से रोकता है। इसकी वजह से पेट में दर्द और कब्ज की समस्या पैदा होती है।

सर्दियों में मेकअप के बाद चेहरा न लगे ड्राई

सर्दियों में स्किन की ड्राईनेस और डलनेस कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती है और अगर आपने स्किन केयर पर ध्यान न दिया, तो ये समस्या और बढ़ जाती है। ऐसे में अगर आप किसी शादी- पार्टी में शामिल होने वाली हैं, तो बहुत ध्यान से मेकअप करना होगा, वरना ड्राईनेस आपके पूरे लुक को खराब करती देती है। तो इसके लिए मेकअप करने से पहले यहां दिए गए स्टेप्स को फॉलो करें।

मसाज से करें शुरुआत

ठंड में मेकअप करने से पहले चेहरे की किसी अच्छे मॉइश्चराइजर से धीरे-धीरे सर्कुलर मोशन में मसाज करें। कम से कम 2 मिनट तक मसाज करें। फिर चेहरे को हाथ से थपथपा लें। इससे ब्लड सर्कुलेशन बढ़ जाता है और मेकअप के बाद चेहरा और ज्यादा ग्लोइंग नजर आता है। चेहरा ड्राई नहीं दिखेगा।

ग्लॉसी मेकअप प्रोडक्ट करें यूज

सर्दियों में फ्लॉलेस मेकअप के लिए नॉर्मल की वजह ग्लॉसी मेकअप प्रोडक्ट्स यूज़ करें। मैट बेस वाले मेकअप प्रोडक्ट्स स्किन को ड्राई बनाते हैं। वहीं अगर मेकअप प्रोडक्ट्स में विटामिन सी, विटामिन ई, विटामिन ए और एंटीऑक्सीडेंट हैं, तो और अच्छा। फाउंडेशन में विटामिन सी की मात्रा होने से चेहरे पर ग्लो आता है, ड्राईनेस नजर भी नहीं दिखता है।

फाउंडेशन में मिलाएं फेस ऑयल

अगर आपकी स्किन ड्राई है, तो हैवी मेकअप की वजह से चेहरा पैची नजर आने लगता है। इससे बचने के लिए अपने फाउंडेशन में दो बूंद फेस ऑयल मिला लें। फिर इसे चेहरे, नेक और हाथों पर लगाएं। इससे मेकअप पैची नजर नहीं आएगा।

पाउडर प्रोडक्ट का न करें इस्तेमाल

विंटर मेकअप में पाउडर प्रोडक्ट्स का कम से कम इस्तेमाल करें या न ही करें, क्योंकि इससे भी स्किन ड्राई लग सकती है। सर्दियों के लिए लिक्विड और क्रीमी टेक्सचर वाले क्रीम और फाउंडेशन बेस्ट होते हैं।

हाईलाइटर का करें इस्तेमाल

विंटर में बहुत ज्यादा मेकअप करने से नेचुरल स्किन का ग्लो कम होने लगता है। बेहतर होगा कि आप लाइट मेकअप ही करें। फाउंडेशन लगाने के बाद लिक्विड हाईलाइटर का इस्तेमाल करें।

रिलेशनशिप में आपसी विश्वास क्यों जरूरी

एक खुशहाल और हेल्दी रिलेशनशिप की नींव एक दूसरे पर भरोसा और विश्वास का होना होता है। इसकी बदौलत पार्टनर एक दूसरे की इज्जत करते हैं, उनसे ओपन टॉक करते हैं और उन्हें खुद को जज किए जाने का डर नहीं रहता है। तो आइए जानते हैं कि रिश्ते में भरोसा का होना क्यों जरूरी है और इसे हासिल करने का क्या तरीका है।

किसी भी हेल्दी, रोमांटिक और खुशहाल जिंदगी के लिए रिश्ते में विश्वास का होना जरूरी होता है। द हेल्दी के मुताबिक, विश्वास दरअसल किसी भी रिश्ते की बुनियाद होती है और यह एक दूसरे के सपोर्ट और हेल्दी रिलेशनशिप के लिए मोटिवेशन और सकारात्मक एनर्जी क्रिएट करने का काम करता है। यह भरोसा जैसे जैसे बढ़ता जाता है दो लोगों के बीच अंडरस्टैंडिंग बढ़ती जाती है और दुनिया से अलग वे अपनी एक दुनिया में खुश रहने लगते हैं।

अगर आप नए रिश्ते में प्रवेश कर रहे हैं और एक दूसरे का भरोसा जीतना चाहते हैं तो सबसे पहले एक अच्छे श्रोता बनने का प्रयास करें और उनकी बातों का सही तरीके से रिस्पॉन्स दें। जब आप उनकी हर बातों को समझने का प्रयास करेंगे तो आपके बीच का भरोसा खुद ब खुद बढ़ने लगता है। अगर कभी कोई गलती हो जाए तो माफी मांगना भी आपके रिश्ते में मजबूती और भरोसा बढ़ाने का काम करता है। ऐसे में अगर ऐसा लगे कि आपसे कोई गलती हुई है तो मांफी मांग लेने में संकोच ना करें। ये आपके रिश्ते को मजबूत बनाने का काम करता है।

अगर कोई फैसला आप दोनों के जीवन को प्रभावित करने वाला है तो फैसला हमेशा साथ मिलकर करें। कभी भी खुद से व्यक्तिगत रूप से फैसला ना लें। ऐसा करने से आपके प्रति आपके पार्टनर के मन में भरोसा बढ़ेगा और आप बेहतर रिश्ते में रहेंगे। पार्टनर को खुश करने के लिए झूठ का सहारा लेने से बचें। अगर कोई जानकारी देनी हो तो पूरी जानकारी हासिल किए बिना ना बोलें।

अलसी स्वास्थ्य के लिए लाभकारी

अलसी के बीज स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद माने जाते हैं क्योंकि इनमें कई ऐसे गुण और पोषक तत्व पाए जाते हैं जो इसे विशेष बनाते हैं। अलसी के बीजों में सबसे ज्यादा ओमेगा-3 फैटी एसिड की मात्रा पाई जाती है। यह दिल के स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक होता है। इसके अलावा, अलसी के बीजों में पाए जाने वाला प्रोटीन और फाइबर भी शरीर के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे अन्य पोषक तत्व भी इन बीजों को सुपरफूड बनाते हैं। अपने डाइट में अलसी के बीजों को शामिल करना फायदेमंद होता है।आइए जानते हैं कि हम इन्हें अपने डाइट में किस प्रकार शामिल कर सकते हैं।

जानें इसको अपनी डाइट में कैसे शामिल करें

अलसी का स्मूदी - अलसी के बीजों ,दूध और फलों का पीस कर हेल्दी स्मूदी बनाएं। अलसी के बीजों से बनाया गया स्मूदी बहुत ही स्वादिष्ट और सेहतमंद होता।

अलसी की लड्डू - अलसी के बीजों से लड्डू बनाए जा सकते हैं। इनमें अलसी के बीजों के साथ सूखे मेवे मिलाए जा सकते हैं।

अलसी के बीज की चटनी - अलसी के बीजों को भुनकर उनसे चटनी तैयार की जा सकती है।

अलसी की कढ़ी - अलसी के बीजों से स्वादिष्ट और पोषक कढ़ी बनाई जा सकती है।

अलसी के बीज का हलवा - अलसी के बीजों का हलवा बनाकर उसे दही के साथ खाया जा सकता है।

सलाद बनाएं - इन बीजों से मीठा और स्वादिष्ट लड्डू बनाया जा सकता है। केक और ब्रेड में डालें - अलसी के बीजों को केक और ब्रेड में मिलाकर उन्हें और अधिक स्वादिष्ट और पौष्टिक बनाया जा सकता है।

सौंफ़ खाने से आंखों को मिलते हैं कई सारे पोषक तत्व

सौंफ के बीज, जिसे भारत में 'सौंफ' के नाम से जाना जाता है। सौंफ का इस्तेमाल भारत में कई सालों से किया जा रहा है। किसी भी खाने में स्वाद बढ़ाने से लेकर पाचन के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद है,लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन छोटे बीजों के संभावित स्वास्थ्य लाभ भी हैं? कई बार यह भी दावा किया जाता है कि सौंफ़ खाने से आंखों की रोशनी बढ़ती हैं।आज हम इस दावे की सच्चाई जानने की कोशिश करेंगे। आइए जानें सौंफ खाने से क्या फायदा मिलता है।

सौंफ़ खाने से आंखों को मिलते हैं कई सारे पोषक तत्व सौंफ़ के बीज विटामिन सी, आयरन और पोटेशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्वों का एक समृद्ध स्रोत हैं। ये पोषक तत्व आंखों के समग्र स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं। विटामिन सी मोतियाबिंद और मैक्यूलर डिजनरेशन, दो सामान्य नेत्र रोगों के खतरे को कम करता है। आयरन आंखों के ऊतकों तक ऑक्सीजन पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जबकि पोटेशियम इंट्राओकुलर दबाव को नियंत्रित करने में मदद करता है। जिससे ग्लूकोमा जैसी स्थिति को रोका जा सकता है। इसलिए, अपने आहार में सौंफ के बीज शामिल करने से आपकी आंखों को सही ढंग से काम करने के लिए आवश्यक पोषक तत्व मिल सकते हैं। आंखों में सूजन के कारण दृष्टि संबंधी कई समस्याएं हो सकती हैं, जिनमें सूखी आंखें, लालिमा और धुंधली दृष्टि शामिल हैं। सौंफ़ के बीज में शक्तिशाली सूजनरोधी गुण होते हैं जो इन लक्षणों को कम करने में मदद कर सकते हैं।

सौंफ़ के बीज उम्र से संबंधित धब्बेदार अधः पतन को रोक सकते हैं। उम्र से संबंधित धब्बेदार अधः पतन (एएमडी) 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में दृष्टि हानि का एक प्रमुख कारण है। यह मैक्युला में कोशिकाओं के टूटने के कारण होता है, जो केंद्रीय दृष्टि के लिए जिम्मेदार है। हालांकि एएमडी का कोई ज्ञात इलाज नहीं है, लेकिन जीवनशैली में कुछ बदलाव और आहार संबंधी आदतें इसे रोकने में मदद कर सकती हैं। सौंफ़ के बीज, अपने एंटीऑक्सीडेंट गुणों के साथ, मैक्युला में कोशिकाओं को क्षति से बचाने और एएमडी की प्रगति को रोकने में मदद कर सकते हैं। वे कैरोटीनॉयड का भी एक समृद्ध स्रोत हैं, जो आंखों के स्वास्थ्य में सुधार और एएमडी के जोखिम को कम करने के लिए जाना जाता है। सौंफ़ के बीज में बीटा-कैरोटीन नामक यौगिक होता है। जो शरीर में विटामिन ए में परिवर्तित हो जाता है। रात में अच्छी दृष्टि बनाए रखने के लिए विटामिन ए महत्वपूर्ण है। क्योंकि यह आंखों को कम रोशनी की स्थिति में समायोजित करने में मदद करता है। नियमित रूप से सौंफ़ के बीज का सेवन करने से आपकी रात की दृष्टि में सुधार हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

चक्रवात 'दित्वा' की मार: श्रीलंका में खेत से फैक्ट्री तक सब तबाह, चार लाख श्रमिकों की रोज़ी-रोटी पर

कोलंबो, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन का कहना है कि श्रीलंका में चक्रवात 'दित्वा से करीब चार लाख श्रमिक प्रभावित हुए हैं। नवंबर के अंत में आए इस चक्रवात में 640 से अधिक लोगों की जान गई और फसलों, चाय बागानों तथा सड़कों-पुलों सहित महत्वपूर्ण परिवहन अवसंरचना को भारी नुकसान पहुंचा। आईएलओ ने मंगलवार को एक संक्षिप्त रिपोर्ट में बताया कि चक्रवात प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाली आबादी करीब 17 लाख है, जो श्रीलंका की कुल आबादी का लगभग 7.5 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार, देश में चक्रवात से प्रभावित इलाकों में लगभग 3.74 लाख श्रमिक रहते हैं, जिससे उनकी आजीविका और घरेलू आय पर गहरा असर पड़ा है। आईएलओ ने कहा कि अनुमानित प्रभावित कार्यबल में 2.44 लाख पुरुष और 1.30 लाख महिलाएं शामिल हैं। इसने कहा, ''क्षेत्रवार आंकड़ों के अनुसार, कृषि क्षेत्र से जुड़ी 85,000 नौकरियां तथा 1.25 लाख औद्योगिक क्षेत्र के रोजगार और 1.64 लाख सेवा क्षेत्र के रोजगार प्रभावित हुए हैं। बाढ़ और भूस्खलन के कारण देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा जोखिम में पड़ गया है, जिसकी कीमत करीब 16 अरब अमेरिकी डॉलर आंकी गई है। इसका असर कुछ सीमित जिलों तक केंद्रित है। ILO ने चेतावनी दी कि यदि समय पर इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो असमान पुनर्बहाली की आशंका बढ़ सकती है और स्थानीय स्तर पर लंबे समय तक आर्थिक संकट बना रह सकता है। रिपोर्ट में कहा गया कि प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों में आई बाढ़ और भूस्खलन से न केवल अल्पकालिक रोजगार खतरे में पड़ा है, बल्कि दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा और लोगों की आजीविका भी कमजोर हुई है। आईएलओ के अनुसार, यह संकट ऐसे समय में सामने आया है जब श्रीलंका पहले से ही संघर्षोत्तर दौर, कोविड-19 संकट और निर्यात में सुस्ती समेत श्रम बाजार की कई चुनौतियों का सामना कर रहा है।

मोहम्मद यूनुस से नाराज हुआ अमेरिका, शेख हसीना की पार्टी को मिल सकती है प्रतिबंध से राहत

वॉशिंगटन , एजेंसी। बांग्लादेश में जारी अराजकता के हालात पर अमेरिका ने नाराजगी जताई है। अमेरिका की विदेश मामलों की समिति ने मोहम्मद यूनुस को पत्र लिखा है। इस पत्र में मोहम्मद यूनुस के राजनीतिक पार्टियों पर प्रतिबंध लगाने के फैसले की आलोचना की गई है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। एक तरफ बांग्लादेश में कानून व्यवस्था खराब है और अराजकता का माहौल है। वहीं दूसरी तरफ अब अमेरिका भी मोहम्मद यूनुस से नाराज हो गया है। दरअसल अमेरिकी संसद की विदेश मामलों की समिति ने मोहम्मद यूनुस को पत्र लिखा है। इस पत्र में अमेरिकी सांसदों ने एक राजनीतिक पार्टी पर पूरी तरह से प्रतिबंध को गलत ठहराया है। गौरतलब है कि बांग्लादेश में अवामी लीग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। अमेरिका के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स की विदेश मामलों की समिति ने मोहम्मद यूनुस को लिखे पत्र में बांग्लादेश में मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाओं पर भी नाराजगी जाहिर की। पत्र में लिखा गया है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार देश की राजनीतिक पार्टियों के साथ मिलकर ऐसा माहौल बनाए, जिससे देश में निष्पक्ष, मुक्त और शांतिपूर्वक चुनाव हो सकें।

लेकिन हमें आशंका है कि ऐसा नहीं हो सकता क्योंकि अंतरिम सरकार ने राजनीतिक पार्टियों की गतिविधियों को बर्खास्त कर दिया है और साथ ही त्रुटिपूर्ण इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल को भी फिर से शुरू कर दिया है। अमेरिकी सांसदों ने लिखा, 2018 और 2024 के आम चुनाव निष्पक्ष नहीं थे और फरवरी में संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार कार्यालय की रिपोर्ट में बताया गया कि जुलाई और अगस्त 2024 में बांग्लादेश में भड़की हिंसा में करीब 1400 लोग मारे गए। असल में बांग्लादेश को इन घटनाओं से सीख लेकर लोकतंत्र को मजबूत करना चाहिए, लेकिन उसकी जगह वहां बदले की कार्रवाई शुरू हो गई है। हम चिंतित हैं कि एक राजनीतिक पार्टी को पूरी तरह से प्रतिबंधित करना गलत है।

टोरंटो में भारतवंशी महिला की हत्या, वाणिज्य दूतावास ने जताया शोक; आरोपी के खिलाफ वारंट जारी

टोरंटो , एजेंसी। कनाडा के टोरंटो शहर से भारतीय समुदाय को झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। यहां भारतीय मूल की 30 वर्षीय महिला हिमांशी खुराना की हत्या कर दी गई है। पुलिस ने इस मामले में 32 वर्षीय अब्दुल गफूरी को मुख्य आरोपी बताया है, जिसके खिलाफ पूरे कनाडा में गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। टोरंटो पुलिस के अनुसार, हिमांशी खुराना का शव स्ट्रैचन एवेन्यू और वेलिंगटन स्ट्रीट वेस्ट के पास स्थित एक आवास के अंदर से बरामद किया गया। शुरुआती जांच में इस घटना को घरेलू या करीबी संबंधों से जुड़ी हिंसा का मामला माना जा रहा है।

भारतीय वाणिज्य दूतावास ने जताया गहरा शोक: टोरंटो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। पोस्ट में कहा गया हम भारतीय नागरिक हिमांशी खुराना की हत्या से बेहद दुखी और स्तब्ध हैं। इस गहरे दुख की घड़ी में हम उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। बीते कुछ दिनों से वाणिज्य दूतावास इस मामले पर नजर बनाए हुए है और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर परिवार को हर संभव सहायता दी जा रही है। दूतावास ने यह भी स्पष्ट किया कि वह मामले को लेकर लगातार स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है।

आरोपी फरार, पूरे कनाडा में तलाश

टोरंटो पुलिस ने आरोपी अब्दुल गफूरी की तस्वीर जारी करते हुए जनता से मदद की अपील की है। पुलिस प्रवक्ता ने कहा हमने आरोपी की तस्वीर सार्वजनिक की है। यदि किसी को उसके ठिकाने की जानकारी हो, तो तुरंत पुलिस से संपर्क करें। फिलहाल आरोपी फरार है और उसे पकड़ने के लिए पूरे कनाडा में अलर्ट जारी कर दिया गया है।

अब जानिए कैसे सामने आया मामला

गौरतलब है कि पुलिस अधिकारियों ने बताया शुक्रवार को हिमांशी खुराना के लापता होने की सूचना मिलने के बाद तलाशी शुरू की गई थी। इसके अगले दिन यानी शनिवार को जब पुलिस ने संबंधित आवास में प्रवेश किया, तो वहां हिमांशी का शव मिला। जांच के बाद पुलिस ने मौत को हत्या करार दिया। पुलिस ने पुष्टि की है कि आरोपी अब्दुल गफूरी और मृतका हिमांशी खुराना एक-दूसरे को पहले से जानते थे। हालांकि, उनके रिश्ते की प्रकृति को लेकर विस्तृत जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है।

9 मई हिंसा मामलों में इमरान खान व बुशरा बीबी को राहत, कोर्ट ने जमानत अवधि बढ़ाई

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की एक स्थानीय अदालत ने 9 मई की हिंसा से जुड़े मामलों में पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान तथा उनकी पत्नी बुशरा बीबी की अंतरिम जमानत 27 जनवरी 2026 तक बढ़ा दी है। यह जानकारी पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट में दी गई है। यह आदेश अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश मोहम्मद अफजल मजोका ने प्री-अरेस्ट जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान पारित किया। इमरान खान और बुशरा बीबी की ओर से अधिवक्ता शम्सा कायानी अदालत में पेश हुईं। हालांकि, इमरान खान की अदालत में गैर-हाजिरी के कारण जमानत याचिकाओं पर दलीलें नहीं सुनी जा सकीं। इसी को देखते हुए अदालत ने सुनवाई स्थगित करते हुए अगली तारीख पर इमरान खान की व्यक्तिगत या वीडियो लिंक के जरिए उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इमरान खान पर 9 मई की हिंसा से जुड़े मामलों के अलावा हत्या के प्रयास और फर्जी रसीदें जमा करने जैसे कई अन्य मामले भी दर्ज हैं। वहीं, बुशरा बीबी के खिलाफ तोशाखाना से जुड़े कथित फर्जी दस्तावेजों का मामला दर्ज किया गया है। एक अन्य मामले में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश चौधरी आमिर जिया ने भी बुशरा बीबी की अंतरिम जमानत बढ़ाते हुए सुनवाई 27 जनवरी तक टाल दी।

चुनाव रद्द कराने के लिए तुमने उसे मारा, उस्मान हादी के भाई का मोहम्मद यूनुस पर गंभीर आरोप

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश के चर्चित छात्र नेता और इंकिलाब मंचो के संयोजक शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद देश की राजनीति में भूचाल आ गया है। मृतक के भाई ओमर हादी ने मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनके भाई की हत्या आगामी राष्ट्रीय चुनावों को पटरी से उतारने के लिए कराई गई। ओमर हादी का दावा है कि सत्ता में बैठे लोगों के एक गुट ने जानबूझकर इस हत्या को अंजाम दिया, ताकि चुनावी माहौल को अस्थिर किया जा सके और राजनीतिक फायदा उठाया जा सके।

'आपने उसे मरवाया', सरकार पर सीधा हमला: ढाका के शाहबाग इलाके में राष्ट्रीय संग्रहालय के सामने आयोजित शहीदी शपथ कार्यक्रम में बोलते हुए ओमर हादी ने सरकार पर तीखा हमला बोला। बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार के अनुसार, उन्होंने कहा यह आप ही हैं जिन्होंने उस्मान हादी को मरवाया और अब उसी मुद्दे को लेकर चुनाव बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के भीतर मौजूद एक खास गुट ने साजिश रचकर इस हत्या को अंजाम दिया। बता दें कि उस्मान हादी आगामी 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव में उम्मीदवार थे। ओमर हादी का यह भी आरोप है कि उनके भाई की हत्या इसलिए की गई, क्योंकि उन्होंने किसी भी एजेंसी या विदेशी आकाओं के आगे झुकने से इनकार कर दिया था।

यूनुस सरकार को चेतावनी: ओमर हादी ने अंतरिम सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि

अगर उनके भाई के हत्यारों को जल्द सजा नहीं दी गई, तो यूनुस सरकार का अंजाम भी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना जैसा हो सकता है। उन्होंने कहा हत्यारों पर जल्द मुकदमा चलाएं, ताकि चुनावी माहौल खराब न हो। सरकार अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं दिखा पाई है। अगर उस्मान हादी को न्याय नहीं मिला, तो आपको भी एक दिन बांग्लादेश छोड़ने पर मजबूर होना पड़ेगा।

मस्जिद से निकलते समय मारी गई गोली: गौरतलब है कि 32 वर्षीय शरीफ उस्मान हादी पर ढाका में एक मस्जिद से बाहर निकलते समय गोली चलाई गई थी। गंभीर रूप से घायल हादी को इलाज के लिए सिंगापुर ले जाया गया, जहां 19 दिसंबर को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। उनकी हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया और राजधानी ढाका समेत कई इलाकों में तनाव की स्थिति बन गई।

2024 के आंदोलन का अहम चेहरा थे उस्मान हादी: उस्मान हादी उन प्रमुख छात्र नेताओं में शामिल थे, जिन्होंने 2024 में हुए जन आंदोलन का नेतृत्व किया था। इसी आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को अगस्त 2024 में पद छोड़कर भारत भागना पड़ा था, जहां वे फिलहाल निर्वासन में हैं।

मारे गए हिंदू मजदूर के परिवार की जिम्मेदारी लेगी सरकार.., मोहम्मद यूनुस ने दिया आश्वासन

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की सरकार ने कहा कि वह ईशनिंदा के आरोप में मारे गए हिंदू कार्यकर्ता दीपू दास के परिवार की जिम्मेदारी लेगी। सरकार ने इस हत्या को क्रूर अपराध बताया और परिवार को वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के वरिष्ठ सलाहकार ने मंगलवार को कहा कि राज्य उस हिंदू कार्यकर्ता के परिवार की जिम्मेदारी उठाएगा, जिसे पिछले सप्ताह ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने पीट-पीट कर मार डाला था। शिक्षा सलाहकार सीआर अबरार ने दीपू दास के परिवार से मुलाकात की। दीपू दास को 18 दिसंबर को माइमेंसिंग में भीड़ ने मार डाला और उनका शव जलाया। अबरार ने कहा, राज्य ने दीपू दास के बच्चे, पत्नी और माता-पिता की देखभाल की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने कहा कि यह हत्या बहुत ही क्रूर अपराध है और इसे जायज ठहराने का कोई भी कारण नहीं हो सकता। परिवार से मिलने से पहले अबरार ने मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस से चर्चा की। यूनुस ने अब्रार से कहा कि वे सरकार की ओर से गहरी हार्दिक संवेदना परिवार तक पहुंचाएं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दीपू दास के पिता रवि चंद्र दास ने अपने बेटे की हत्या के लिए न्याय की मांग की और परिवार की स्थिति के बारे में सलाहकार को बताया। यूनुस के कार्यालय ने पुष्टि की कि दास के परिवार को वित्तीय सहायता दी जाएगी और संबंधित अधिकारी आने वाले समय में उनके संपर्क में रहेंगे। अब तक हत्या में कथित रूप से शामिल 12 लोगों को हिरासत में लिया गया है। यूनुस की प्रेस को जारी एक बयान में कहा, आरोप, अफवाह या विश्वास में भिन्नता कभी भी हिंसा का कारण नहीं बन सकती और किसी व्यक्ति को कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं है।

हादसा या साजिश: अचानक रडार से गायब सैन्य विमान बना आग का गोला ! शीर्ष कमांडर समेत 8 की मौत पर उठे सवाल

अंकारा , एजेंसी। तुर्किये के अंकारा से लीबिया जा रहा एक निजी 'फाल्कन-50' विमान उड़ान भरने के करीब 40 मिनट बाद दुर्घटनाग्रस्त हो

गया। इस भीषण हादसे में लीबिया के शीर्ष सैन्य कमांडर जनरल मोहम्मद अली अहमद अल-हद्दाद समेत कुल 8 लोगों की मौत हो गई।अंकारा के आसमान में जो हुआ, उसने कई सवाल खड़े कर दिए। टेकऑफ के कुछ ही देर बाद लीबिया का सैन्य विमान अचानक रडार से गायब हो गया। कुछ मिनटों बाद वही विमान आग का गोला बनकर जमीन से टकरा गया।

इस रहस्यमय हादसे में लीबिया के शीर्ष सैन्य कमांडर सहित आठ लोगों की मौत ने इसे सिर्फ एक तकनीकी दुर्घटना नहीं, बल्कि संभावित साजिश के नजरिए से भी देखने को मजबूर कर दिया है। तुर्किये और लीबिया, दोनों देशों की जांच एजेंसियां अब हर एंगल से पड़ताल में जुट गई हैं। यह हादसा सिर्फ एक विमान दुर्घटना नहीं, बल्कि क्षेत्रीय सैन्य और कूटनीतिक संतुलन से जुड़ा एक बड़ा सवाल बनता जा रहा है।

तुर्किये के अधिकारियों के मुताबिक, विमान ने दुर्घटना से ठीक पहले इलेक्ट्रिकल सिस्टम में खराबी की सूचना दी थी। पायलट ने आपात स्थिति में विमान उतारने का अनुरोध किया, जिसके बाद विमान को वापस अंकारा की ओर मोड़ा गया। लेकिन उतरने से पहले ही विमान रडार से गायब हो गया।

फाइव स्टार होटल में एयर होस्टेस की बेरहमी से हत्या, कैंची से 15 वार कर उतारा मौत के घाट

दुबई, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात के दुबई शहर से रिश्तों को झकझोर देने वाली एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। एक लग्ज़री 5-स्टार होटल में ठहरी 25 वर्षीय रूसी एयर होस्टेस अनास्तासिया की उसके ही पूर्व पति ने कथित तौर पर कैंची से गोदकर बेरहमी से हत्या कर दी।मृतका अनास्तासिया रूस की लो-कॉस्ट एयरलाइन पोबेडा में फ्लाइट अटेंडेंट के रूप में कार्यरत थी। पुलिस ने इस सनसनीखेज हत्याकांड के आरोप में 41 वर्षीय रूसी नागरिक अल्बर्ट मॉर्गन को गिरफ्तार किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह वारदात दुबई के पॉश इलाके में स्थित वोको बोनिंगटन होटल में हुई। होटल के कमरे से अनास्तासिया का शव बरामद हुआ, जिसके शरीर, गर्दन और धड़ पर कम से कम 15 बार कैंची से वार किए जाने के निशान पाए गए। जांच एजेंसियों के अनुसार, आरोपी अल्बर्ट मॉर्गन को अपनी पूर्व पत्नी पर शक था कि वह शादी के दौरान दुबई में कथित तौर पर हाई-एंड एस्कॉर्ट के तौर पर काम कर रही थी। इसी शक और जलन ने उसे

मानसिक रूप से असंतुलित कर दिया। बताया जा रहा है कि मॉर्गन एक लीगल कंसल्टेंट के रूप में काम करता था और शक के चलते वह अनास्तासिया का पीछा करते हुए दुबई पहुंचा।पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी ने खुद को होटल का मेहमान बताकर प्रवेश किया। उसने होटल की लॉन्ड्री से एक बाथरोब चुराया और उसे पहनकर खुद को गेस्ट के रूप में पेश किया। इसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर एक हाउसकीपिंग स्टाफ को बहला-फुसलाकर अनास्तासिया के कमरे का दरवाज़ा खुलवाया।

रूसी जांचकर्ताओं के अनुसार, आरोपी की शुरुआती योजना सिर्फ महिला पर हरा रंग डालने और उसके बाल काटने की थी, लेकिन कमरे में पहुंचते ही दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई, जो देखते ही देखते हिंसा में बदल गई।गुस्से और वहम में आरोपी ने अनास्तासिया पर ताबड़तोड़ कैंची से वार कर दिए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया, लेकिन बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और होटल की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी फुटेज व स्टाफ की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है। यह घटना एक बार फिर यह सवाल खड़ा करती है कि शक और जलन जब रिश्तों पर हावी हो जाएं, तो वे इंसान को किस हद तक हैवान बना सकते हैं।

यूक्रेन पर रूस के भीषण हमले, 650 से ज्यादा ड्रोन-36 मिसाइलों से 13 इलाकों को बनाया निशाना

मास्को, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन पर एक बड़े हमले में 650 से अधिक ड्रोन और करीब 36 मिसाइलें दागीं। 13 यूक्रेनी इलाकों में किए गए इस हमले में तीन लोग मारे गए। मृतकों में एक चार वर्षीय बच्चा भी शामिल है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि हमले में यूक्रेन के 13 क्षेत्रों में घरों और बिजली ग्रिड को निशाना बनाया गया, जिससे बिजली की व्यापक कटौती हुई। इससे पहले उन्होंने शांति समझौते की दिशा में हुई हालिया प्रगति को ठोस बताया था।

जेलेंस्की ने एक पोस्ट में कहा, इस बमबारी से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का यूक्रेन पर हमला जारी रखने का इरादा स्पष्ट होता है। यूक्रेनी और यूरोपीय अधिकारियों ने शिकायत की है कि पुतिन अमेरिका के नेतृत्व वाले शांति प्रयासों में गंभीरता से सहयोग नहीं कर रहे हैं।

रूस ने मंगलवार (23 दिसंबर) को यूक्रेन पर एक बड़े हमले में 650 से अधिक ड्रोन और करीब 36 मिसाइलें दागीं। 13 यूक्रेनी इलाकों में किए गए इस हमले में तीन लोग मारे गए। मृतकों में एक चार

वर्षीय बच्चा भी शामिल है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि हमले में यूक्रेन के 13 क्षेत्रों में घरों और बिजली ग्रिड को निशाना बनाया गया, जिससे बिजली की व्यापक कटौती हुई। इससे पहले उन्होंने शांति समझौते की दिशा में हुई हालिया प्रगति को ठोस बताया था। जेलेंस्की ने एक पोस्ट में कहा, इस बमबारी से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का यूक्रेन पर हमला जारी रखने का इरादा स्पष्ट होता है। यूक्रेनी और यूरोपीय अधिकारियों ने शिकायत की है कि पुतिन अमेरिका के नेतृत्व वाले शांति प्रयासों में गंभीरता से सहयोग नहीं कर रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा, यह हमला रूसी प्राथमिकताओं का बेहद स्पष्ट संकेत है। क्रिसमस से ठीक पहले ऐसा हमला किया गया, जब लोग परिजनों के साथ घर में रहना चाहते हैं। वह बोले, यह हमला इस युद्ध को खत्म करने के लिए जारी वार्ता के बीच में हुआ है। इससे पता चलता है कि पुतिन यह स्वीकार नहीं कर सकते कि हमें हत्याएं बंद करनी होंगी।

शांति वार्ता में ठोस प्रगति: जेलेंस्की: यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा, रूस-यूक्रेन शांति समझौते के लिए अमेरिका द्वारा पेश किए गए शुरुआती मसौदे कीव की कई मांगों को पूरा करते हैं। जेलेंस्की ने हालांकि संकेत दिया कि युद्ध को समाप्त करने के लिए होने वाली वार्ताओं में दोनों पक्षों की सभी इच्छाएं पूरी होने की संभावना कम ही है। उन्होंने समझौते की कोशिश कर रहे अमेरिकी अधिकारियों के साथ हुई हालिया बातचीत पर कहा, इस चरण में काफी ठोस प्रगति नजर आ रही है।

ट्रंप को दो अरब डॉलर दे कई दानदाताओं ने उठाया सरकारी फायदा, सुंदर पिचाई-सत्य नडेला समेत 6 भारतवंशी शामिल

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में उनके सहयोगियों के साथ पसंदीदा सियासी मकसद और परियोजनाओं के लिए करीब दो अरब डॉलर जुटाए हैं। बड़े पैमाने पर जुटाया गया यह धन उनके 2024 के चुनाव अभियान के लिए जुटाई गई राशि से कहीं अधिक है। यह चौंका देने वाली राशि लेनदेन के ऐसे स्तर की ओर इशारा करती है जिसकी तुलना आधुनिक अमेरिकी इतिहास में पहली बार दिखाई दिया। इसके बदले लाभ उठाने वालों में 6 भारतवंशी भी शामिल हैं। अधिकांश धन के पीछे दानदाताओं की पहचान को कानूनी रूप से सार्वजनिक करना अनिवार्य नहीं है और कुछ मामलों में ट्रंप की टीम ने दानदाताओं को गुमनामी का प्रस्ताव भी दिया गया है। इस कारण छह भारतवंशियों में से सिर्फ गूगल के सुंदर पिचाई और माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नडेला के नाम का ही खुलासा हो पाया है।

खबर-खास

ग्राम पंचायत बरगा में श्रद्धा और संकल्प के साथ मनाया गया सुशासन दिवस

साजा (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत बरगा में सुशासन दिवस के अवसर पर भारत रत्न, परम श्रद्धेय पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर एवं माल्यार्पण कर श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनों ने उनके सुशासन, राष्ट्रसेवा और लोकतांत्रिक मूल्यों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में पंचायत सचिव प्रेमकुमार पटेल, उपसरपंच प्रतिनिधि कमलेश साहू, पंच प्रतिनिधि डोमार वर्मा, ग्रामीण पीलाराम श्रीवास, भागवत साहू, गौकरण साहू, विजय वर्मा तथा रोजगार सहायक गणेश तुरकाने की गरिमामयी उपस्थिति रही।

वक्ताओं ने अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन, विचारों और देशहित में किए गए कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका सुशासन आज भी जनप्रतिनिधियों और समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित और जनकल्याण के संकल्प के साथ किया गया।

बिर्रा में विराट हिन्दू सम्मेलन 28 को

बिर्रा (समय दर्शन)। जनपद पंचायत बम्हनीडीह के अंतर्गत ग्राम पंचायत बिर्रा के सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में 28 दिसंबर दिन रविवार को दोपहर 1:00 बजे से सकल हिंदू समाज बिर्रा मंडल के तत्वाधान में विराट हिंदू सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में लक्ष्मण दास मानिकपुरी विभाग सेवा प्रमुख कोरबा, एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राम कुमार शुक्ला भागवत आचार्य और विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती मंजू कश्यप सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थिति रहेगी। इस कार्यक्रम में सभी हिंदू भारत माता को परम वैभव के शिखर पर ले जाने एवं समस्त हिंदू समाज को संगठित एवं जागृत करने के उद्देश्य से विराट सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है। इस अवसर पर सभी से उपस्थित होने का अपील किया गया है।

राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग द्वारा विविध कार्यक्रमों का आयोजन

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर द्वारा जारी स्टेट प्लान ऑफएक्शन में दिए गए निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग के विनोद कुजूर के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग द्वारा राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को उपभोक्ता अधिकारों, उपभोक्ता संरक्षण कानूनों तथा उपलब्ध विधिक उपायों के प्रति जागरूक करना रहा।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों के अंतर्गत उपभोक्ता अधिकारों से संबंधित विधिक जागरूकता शिविर, संवादात्मक व्याख्यान, परामर्श सत्र तथा सूचना सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपभोक्ताओं को यह जानकारी दी गई कि किसी वस्तु अथवा सेवा में दोष पाए जाने की स्थिति में वे किस प्रकार अपने अधिकारों का संरक्षण कर सकते हैं तथा उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के माध्यम से शीघ्र एवं सुलभ न्याय प्राप्त कर सकते हैं।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से यह भी संदेश दिया गया कि उपभोक्ता केवल खरीदार ही नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूकता से न केवल शोषण पर रोक लगाई जा सकती है, बल्कि पारदर्शी एवं उत्तरदायी बाजार व्यवस्था को भी सुदृढ़ किया जा सकता है। इस संबंध में नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करें। उक्त कार्यक्रमों में पैरालीगल वालेंटियर्स, छात्र-छात्राएं तथा आम नागरिकों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम का समापन उपभोक्ता अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु सामूहिक संकल्प के साथ किया गया।

सुशासन सप्ताह में 2100 परिवारों का सपना पूरा, पीएम आवास पूर्णता पर एक साथ किया गृहप्रवेश

कवर्धा (समय दर्शन)। सुशासन सप्ताह के अवसर पर जिले में 01 नवम्बर के बाद पूर्ण हुए 2100 से अधिक प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण एवं प्रधानमंत्री जनमन आवासों में एक साथ गृह प्रवेश कराया गया। इस सामूहिक गृह प्रवेश कार्यक्रम से ग्रामीण अंचलों में उत्सव जैसा माहौल रहा। हितग्राहियों ने अपने नए घरों को दीपों और रंगोलियों से सजाकर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विधिवत गृह प्रवेश किया। गृह प्रवेश कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही जिसने हितग्राहियों का उत्साह और बढ़ाया। जनप्रतिनिधियों ने हितग्राहियों को नए आवास में प्रवेश की शुभकामनाएं दीं। राज्य सरकार के निर्देशों के अनुसार प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण एवं प्रधानमंत्री जनमन के तहत स्वीकृत आवासों का निर्माण समय-सीमा में पूर्ण कराने और ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने निर्देश और सीईओ जिला पंचायत अजय कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में विभागीय अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

स्थानीय जागरूकता अभियान से ग्रामीण लाभार्थियों को सशक्त बनाने की दिशा में सार्थक पहल

बेमेतरा(समय दर्शन)। प्रधानमंत्री आवास योजनाङ्ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के प्रभावी क्रियान्वयन एवं ग्रामीण परिवारों को योजना का अधिकतम लाभ दिलाने के उद्देश्य से जनपद पंचायत नवागढ़, जिला बेमेतरा के ग्राम पंचायत गनियारी में पीएमएवाई-ग्रामीण जन चौपाल का आयोजन किया गया। इस जन चौपाल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण नागरिकों को योजना के प्रावधानों, पात्रता मापदंडों, आवेदन प्रक्रिया तथा आवास निर्माण से संबंधित समस्त जानकारियों से अवगत कराना था, ताकि कोई भी पात्र परिवार योजना के लाभ से वंचित न रहे।

जन चौपाल में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नवागढ़, जिला समन्वयक आवास, सहायक अभियंता, विकासखंड समन्वयक नवागढ़ सहित ग्राम पंचायत स्तर से सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक एवं आवास मित्र उपस्थित रहे। अधिकारियों ने ग्रामीणों के साथ सीधे संवाद स्थापित करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के उद्देश्यों, पात्रता मानदंडों एवं लाभार्थी चयन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण का लक्ष्य वर्ष 2025 तक सभी के लिए आवास सुनिश्चित करना है, जिसके अंतर्गत पात्र परिवारों को सुरक्षित, टिकाऊ एवं सम्मानजनक पक्के आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अधिकारियों ने आवास निर्माण हेतु दी जाने वाली वित्तीय सहायता, किश्तों की प्रक्रिया, निर्माण की गुणवत्ता, समय-सीमा एवं जियो टैगिंग जैसी तकनीकी जानकारियों को सरल भाषा में समझाया। जन चौपाल के दौरान दस्तावेजीकरण, सर्वे प्रक्रिया, नाम जोड़ने या सुधार से जुड़ी आम शंकाओं का समाधान भी किया गया। ग्रामीणों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का अधिकारियों ने मौके पर ही उत्तर देकर भ्रम और आशंकाओं को दूर किया। इससे ग्रामीणों में योजना को लेकर विश्वास और जागरूकता बढ़ी। इसके अतिरिक्त, अधिकारियों ने नव स्वीकृत आवासों के हितग्राहियों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करते हुए निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कर समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवास निर्माण में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए तथा शासन द्वारा निर्धारित मानकों का पूर्ण रूप से पालन किया जाए। जन चौपाल के माध्यम से यह संदेश स्पष्ट रूप से दिया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण गरीबों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भयानक हादसा : हादसे ने छीन ली फिर एक व्यक्ति की सांसे

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। सड़क पर चलना और थोड़ी सी चूक हो जाने पर चाहे खुद से या सामने आने जाने वाले राहगीरों से चंद सेकेंड मे एक बडा हादसा मे तब्दील हो जाता है और अपनी या अपनों की जान गवानी पड़ जाती है थोड़ी सी चूक न जाने आजतक कितनो की सांसे छीन चूका है आज फिर एक ऐसा ही दुखद खबर सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला से निकल कर आ रहे है जहाँ फिर एक भयानक सडक हादसा हुआ है जहाँ एक कार और मोटर साईकिल मे टक्कर हो गई है जिसमे एक व्यक्ति की घटना स्थल पर ही मौत हो गई बहुत ही दुखद खबर सामने आई है मिली जानकारी अनुसार सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के बिलाईगढ़ थाना क्षेत्र की है जहाँ रात्रि मे कार और मोटर साईकिल मे जोरदार टक्कर हो गई है और टक्कर इतनी तेज थी की वही घटना स्थल पर बाइक सवार युवक की मौत हो गया और वही दूसरा व्यक्ति घायल हो गया घटना पचरी मोड़ से पथरिया मोड़ के पास यह हादसा हुआ है।

घटना के बाद से जो कार चालक था ओ फरार हो गया घटना की जानकारी बिलाईगढ़ पुलिस को मिलते ही घटना स्थल पहुंचकर गाड़ी को अपने कब्जे मे लिया और पूरी घटना की पुलिस जाँच कर रही की आखिर घटना कैसे घटी और किनकी क्या लापरवाही हुई फिलहाल मृतक का नाम विनोद कुमार लहरे बताया जा रहा जो की पिथौरा क्षेत्र का रहने वाला बताया जा रहा है वही कार चालक फरार है जिसकी पुलिस खोजबीन कर रही है फिलहाल रात होने की वजह से पीएम नहीं हुआ था जिसकी आगे पीएम आज किया जा रहा है।

विधायक साहू ने किया अटल परिसर का लोकार्पण

बेमेतरा (समय दर्शन)। भारत रत्न, युगदृष्टा एवं छत्तीसगढ़ के शिल्पकार स्व. श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती के पावन अवसर पर प्रदेश के 152 नगरीय निकायों में निर्मित अटल परिसरों का वर्चुअल लोकार्पण माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी, पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह जी तथा उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इसी क्रम में नगर पंचायत बेरला में आयोजित कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक श्री दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और नव-निर्मित अटल परिसर का लोकार्पण किया। उन्होंने स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी के कृतित्व, दूरदर्शिता एवं राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को सादर नमन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। तत्पश्चात अटल जी की प्रतिमा का अनावरण किया गया तथा अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्री अवधेश सिंह चंदेल एवं रजक कार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री प्रहलाद रजक भी उपस्थित रहे। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए विधायक श्री साहू ने कहा कि स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी केवल एक प्रधानमंत्री नहीं थे, बल्कि वे भारत की आत्मा, विचार और लोकतांत्रिक मूल्यों के सशक्त प्रतीक थे। उनके नेतृत्व में देश ने सुशासन, विकास और राष्ट्रीय स्वाभिमान की नई ऊँचाइयों को प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि अटल परिसर केवल एक भवन नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्थल है, जहाँ अटल जी के विचार, राष्ट्रभक्ति एवं लोकतांत्रिक सोच को जीवंत रखा जाएगा।

यह परिसर सामाजिक, सांस्कृतिक एवं वैचारिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। विधायक श्री साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आज देश अटल जी के सपनों को साकार करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। बुनियादी ढांचे का विकास, जनकल्याणकारी योजनाएँ एवं अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने की भावना अटल जी की सोच का ही विस्तार है। उन्होंने नगर पंचायत बेरला के नागरिकों को इस सौगात के लिए बधाई देते हुए कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों की यह श्रृंखला निरंतर जारी रहेगी और जनभावनाओं के अनुरूप कार्य किए जाएंगे।

उन्होंने आगे कहा कि 'मोदी की गारंटी' के तहत देश एवं प्रदेश में शासन द्वारा जनहितकारी नीतियों और योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ तेज़ी से विकास की राह पर अग्रसर है। गांव, गरीब, किसान, मजदूर, युवा, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार जैसे सभी क्षेत्रों में शासन पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना, महतारी वंदन योजना, आयुष्मान भारत योजना, किसानों के लिए समर्थन मूल्य, युवाओं के लिए रोजगार एवं कौशल विकास कार्यक्रम, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुदृढ़ बुनियादी ढाँचा—इन सभी योजनाओं के माध्यम से विकास को धरातल पर उतारा जा रहा है।

मीडिया के साथियों ने समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाया समाज का संदेश - सनत राठौर

दक्षिणेश्वर काली दरबार जांजगीर में आयोजित कार्यक्रम को राठौर क्षत्रिय समाज के निवर्तमान अध्यक्ष ने किया संबोधित

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। राठौर क्षत्रिय समाज के प्रादेशिक चुनाव अधिवेशन में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मीडिया के साथियों ने समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक समाज के संदेश को पहुंचाने का जो कार्य किया है, वह अत्यंत ही सराहनीय है। ये बातें राठौर क्षत्रिय समाज के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष सनत राठौर 'गुरूजी' ने कही।

बुधवार को जिला मुख्यालय जांजगीर स्थित दक्षिणेश्वर काली दरबार के सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निवर्तमान अध्यक्ष श्री राठौर ने कहा कि विगत दिनों संपन्न हुए राठौर क्षत्रिय समाज के प्रादेशिक चुनाव अधिवेशन में सभी का सहयोग सराहनीय रहा है। इस अधिवेशन को लेकर मीडिया ने समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक संदेश पहुंचने का अत्यंत ही सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने आगे कहा कि समाज को मीडिया से अत्यधिक उम्मीद रहती है क्योंकि, मीडिया सेतु का कार्य करता है। हमारे कार्यकाल के दौरान प्रथम विधायक स्व. रामकृष्ण राठौर जी के नाम पर चौक, श्री दुर्गादास राठौर जी के नाम पर चौक, सामाजिक भवन के लिए खोखरा मोड़ में भूमि का आवंटन, पॉलिटेक्निक कॉलेज का स्व. रामकृष्ण राठौर के नाम पर नामकरण हमारी महत्वपूर्ण उपलब्धि रही है। ये सभी कार्य समाज के प्रत्येक सदस्य के प्रयास से संभव हो सका है। उन्होंने आगे कहा कि मध्य प्रदेश के अमरकंटक में वृहद सम्मेलन संपन्न हुआ, जो अपने आप में काफी महत्वपूर्ण रहा है। इसी तरह उड़ीसा के जगन्नाथ पुरी धाम में राष्ट्रीय अधिवेशन का सफल क्रियान्वयन हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि रही है। राठौर क्षत्रिय समाज की नवगठित कार्यकारिणी का भव्य शपथ ग्रहण समारोह 18 जनवरी 2026 को कोरबा में उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न होगा, जिसमें हम सभी की भागीदारी बढ़-चढ़ कर रहेगी। इससे पूर्व में 4 जनवरी 2026 को ग्राम खोखरा में स्व. चंद्रिका प्रसाद राठौर गुरुजी के सम्मान में महाकाली संगठन की ओर से स्वास्थ्य परीक्षण एवं विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सभी की उपस्थिति अपेक्षित है। राठौर समाज के प्रदेश संयोजक केदार सिंह राठौर ने कहा कि जाज्वल्य देव की पावन धरा जांजगीर में संपन्न हुए राठौर क्षत्रिय सभा के प्रांतीय चुनाव अधिवेशन में केंद्रीय नेतृत्व, नियुक्त केंद्रीय पर्यवेक्षक, नगरीय निकायों के पदाधिकारीगण, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साहू, क्षेत्रीय विधायक ब्यास कश्यप, मीडिया के साथियों सहित पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों के अथक परिश्रम ने हमारी गरिमा पर चार चांद लगाया है। समाज के उत्थान के लिए आगे भी हम सब मिलजुल कर काम करते रहेंगे। इस अवसर पर राठौर क्षत्रिय समाज के मुख्य चुनाव पदाधिकारी गोवर्धन प्रसाद राठौर, प्रदेश संयोजक हनुमान सिंह राठौर, अश्वनी राठौर, पुरुषोत्तम राठौर, राजेंद्र राठौर, जय नारायण राठौर, वीरेंद्र राठौर, रंजीत राठौर, अमरीश सिंह राठौर, राजेश कुमार राठौर, विवेक राठौर सहित राठौर क्षत्रिय समाज के अन्य लोग उपस्थित रहे।

सेवा और विकास के दो वर्ष पूर्ण होने पर भिलाई में हुआ विशेष जनसंपर्क कार्यक्रम का आयोजन

दुर्ग (समय दर्शन)। सेवा और विकास के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनसंपर्क विभाग द्वारा नेहरू नगर पार्क, जोन क्रमांक 1 भिलाई में एक दिवसीय विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम शाम 6 बजे शुरू हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, युवाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में रेडियो जॉकी (आरजे) श्री अनिमेश जैन एवं उनकी टीम ने रोचक गतिविधियों का संचालन किया, जिससे पूरे आयोजन में उत्साह और जीवंतता बनी रही। मंच पर स्थानीय कलाकारों द्वारा नृत्य, गायन और कविता पाठ जैसी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण शासकीय योजनाओं पर आधारित क्विज एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता रही। प्रतियोगिता को रोचक बनाने के लिए खेल-खेल में प्रश्न पूछे गए, जिसमें गीत के साथ एक गेंद प्रतिभागियों के बीच पास की जाती रही। गीत बंद होने पर जिसके पास गेंद आती, वह एक चिट निकालता और उसमें लिखे शब्द या योजना को हाथों के इशारों से समझाता। इसके माध्यम से प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

प्रश्नोत्तरी में महतारी वंदन योजना, मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं कृषि से जुड़ी प्रमुख योजनाओं पर आधारित प्रश्न शामिल किए गए। सुशासन तिहार के अवसर पर विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि इन योजनाओं ने उनके जीवन में सकारात्मक और वास्तविक बदलाव लाए हैं। कार्यक्रम के माध्यम से आम जनता को सुशासन के महत्व से जोड़ना, शासन की योजनाओं की जानकारी देना तथा स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना रहा। प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को स्थानीय दुकानों एवं स्टॉल्स की ओर से डिस्काउंट वाउचर और कूपन प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजन के माध्यम से जनसंपर्क विभाग ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को सरल और मनोरंजक तरीके से आमजन तक पहुँचाने का सफल प्रयास किया।

जिला मंत्री बसंत देवता के अनुशंसा से समिति गठन

बसना (समय दर्शन)। विश्व हिन्दू परिषद बसना प्रखण्ड के कुदारीबहारा खण्ड में बैठक आयोजन किया गया ।

तद्पश्चात् कुदारीबहारा खण्ड समिति का गठन किया गया। जिसमें प्रखंड मंत्री डॉ. भूपेन्द्र कुमार शर्मा एवं प्रखंड प्रचार प्रमुख कृष्णा साहू शामिल हुए।प्रखण्ड मंत्री डॉ. भूपेन्द्र कुमार शर्मा के द्वारा खण्ड दायित्वों का घोषणा किया गया, जिसमें दायित्व अध्यक्ष केशव साव, उपाध्यक्ष सुन्दरमणी मिश्रा, मंत्री सुन्दरमणि साव, सह मंत्री तेजन पटेल, सेवा प्रमुख राकेश प्रधान, सत्संग प्रमुख दुर्गा प्रसाद दुबे, सह सत्संग प्रमुख कृष्ण कुमार मिश्रा, गौ रक्षा प्रमुख लोकेन्द्र प्रधान, संपर्क प्रमुख गुरुदेव प्रधान, प्रचार प्रसार प्रमुख मोतीलाल मांझी, सह सेवा प्रमुख शशिभूषण प्रधान और सह प्रचार प्रमुख दिलीप साव को क्रमशः दायित्व दिया गया।

प्रखंड मंत्री द्वारा समिति के विस्तार और कार्य के बारे में बतलाया गया।

जिसमें कुदारी बहारा खण्ड के अंतर्गत आने वाले गांव कुदारीबहारा, केरामुंड़ा, कुरचुंडी, कपसाखुटा, सलकपानी, आमापाली, गणेशपुर, इन्द्रपुर, जेवरा, हाड़ापथरा, बरोली, केहरपुर, मेदिनीपुर में लवजिहाद, धर्मांतरण, गौ तस्करी आदि पर रोक लगेगा। प्रांत से लेकर ग्राम समिति सब मिलकर एक साथ काम करने से हिन्दुत्व जागरण का कार्य सफल हो सकेगा एवं सभी हिन्दुओ को संगठित कर छुआछूत की भावना का अंत किया जा सकेगा।

अटल की वाणी, उनकी कविताएं और विचार आज भी राष्ट्र को दिशा दे रहे हैं : सांसद बघेल

शहरवासियों को मिला अटल परिसर चौक, अब जेल तिराहा को जाना जाएगा अटल परिसर के रूप में

सांसद विजय बघेल ने किया आदमकद स्वर्गीय पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का लोकार्पण

दुर्ग (समय दर्शन)। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की 101 वीं जयंती पर राज्य के 115 शहरों में नवनिर्मित अटल परिसर का लोकार्पण मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने वर्चुअल माध्यम से की। सुशासन दिवस के अवसर पर आज दुर्ग जिले के सुवा चौक में अटल परिसर प्रांगण में स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का लोकार्पण दुर्ग सांसद श्री विजय बघेल के करकमलों से किया गया। शहरवासियों को सौंदर्यीकरण के रूप में अटल परिसर चौक मिला है। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, छत्तीसगढ़ महतारी एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के तेल चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। 25 दिसंबर को भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमा का विधिवत लोकार्पण सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा सांसद दुर्ग श्री विजय बघेल रहे। विशिष्ट अतिथियों में कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह, महापौर श्रीमती अलका बाघमार, नगर निगम दुर्ग आयुक्त श्री सुमित अग्रवाल, सभापति श्री श्याम शर्मा, एमआईसी सदस्यगण, पार्षदगण सहित श्रीमती तृप्ति चंद्राकर, श्री सुरेंद्र कौशिक सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि सांसद श्री विजय बघेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह वर्ष देश के लिए रजत जयंती का वर्ष है। अटल जी की वाणी, उनकी कविताएं और विचार आज भी राष्ट्र को दिशा दे रहे हैं। अटल-आडवाणी का कमल निशान मांग रहा है हिंदुस्तान जैसे नारों के साथ उन्होंने देश को छह वर्षों तक विश्व पटल पर शीर्ष की ओर अग्रसर किया। उन्होंने बताया कि आज के दिन देशभर में 115 स्थानों पर अटल जी की प्रतिमाओं का अनावरण किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने सांसद खेल महोत्सव के सफल समापन की जानकारी देते हुए कहा कि इस आयोजन में लगभग 1500 खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र निर्माण में अटल जी के योगदान को स्मरण करते हुए किया गया।

महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने कहा कि अटल जी को उनकी 101वीं जयंती पर एक महान राष्ट्रनेता, कवि और पत्रकार के रूप में स्मरण किया जा रहा है। वे पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री रहे, जिन्होंने मानवीय मूल्यों के साथ राष्ट्रसेवा की। उनके नियम कठोर लेकिन उद्देश्य जनकल्याणकारी थे।

कांकेर जिले में हुए धर्मान्तरण के विरोध में कवर्धा जिला स्वस्फूर्त बंद रहा

हमेशा की तरह दोपहर बाद खुली दुकानें

कवर्धा (समय दर्शन)। सर्व समाज द्वारा कांकेर जिले के आमाबेड़ा क्षेत्र में ईसाई मिशनरी समूहों एवं भीम आर्मी द्वारा जनजातीय समाज पर किए गए हमले, जबरन शव दफ्न तथा प्रदेश में बढ़ते सुनियोजित सामाजिक विभाजन के विरोध एवं दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की मांग के साथ छत्तीसगढ़ बंद के आह्वान पर कवर्धा जिला भी बुधवार को पूरी तरह स्वस्फूर्त बंद रहा। सर्व समाज के लोगों ने नगर के प्रमुख मार्गों से रैली निकाली और गांधी मैदान में एक सभा का आयोजन भी किया गया। यहां पर वक्ताओं ने धर्मांतरण की कड़ी शब्दों में निंदा करते हुए सरकार से दोषियों के विरुध्द कड़ी करवाई की मांग की और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। वक्ताओं ने कहा कि कांकेर जिले के आमाबेड़ा क्षेत्र में हाल ही में घटित घटनाक्रम ने प्रदेश के सर्व समाज को गहरे आक्रोश और असुरक्षा की स्थिति में ला खड़ा किया है। जबरन शव दफ्न की कार्रवाई एवं जनजातीय ग्रामीणों के ऊपर योजनाबद्ध तरीके से जानलेवा हमले की घटना ने हमें स्तब्ध कर दिया है। यह घटना केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह समाज की धार्मिक स्वतंत्रता, सामाजिक गरिमा और संवैधानिक अधिकारों पर सीधा आघात है। इस पूरे प्रकरण में ईसाई मिशनरी समूहों एवं भीम आर्मी से जुड़े लोगों की संगठित भूमिका सामने आई है। वक्ताओं ने कहा कि स्पष्ट है कि आमाबेड़ा की घटना कोई अपवाद या पहली घटना नहीं है। इससे पूर्व भी छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों में इसी प्रकृति की घटनाएं घटित हो चुकी हैं। ईसाई मिशनरी गतिविधियों एवं उनसे जुड़े संगठनों द्वारा अवैध धर्मांतरण, सामाजिक हस्तक्षेप और स्थानीय परंपराओं के उल्लंघन की प्रवृत्ति लगातार सामने आ रही है, जिसका दुष्परिणाम पूरे सर्व समाज को भुगतना पड़ रहा है। इससे प्रदेश में सामाजिक संतुलन एवं सौहार्द गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए सर्व समाज, छत्तीसगढ़ द्वारा प्रदेशव्यापी बंद एवं शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन का आह्वान किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में सर्व समाज के नागरिक, जनजातीय प्रतिनिधि एवं सामाजिक संगठन सहभागी बने। यह सहभागिता स्वयं इस बात का प्रमाण है कि यह विषय केवल स्थानीय नहीं, बल्कि प्रदेशव्यापी चिंता का विषय बन चुका है।

संक्षिप्त-खबर

40 हितग्राहियों को मिला उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन

पाटन (समय दर्शन)। 40 हितग्राहियों को उज्ज्वल कनेक्शन गैस वितरित किया गया जिसमें सरपंच डोनेश्वर साहू उपसरपंच अनिल वर्मा पंचगन एवं ग्रामीन राहुल साहू हेमंत पटेल विक्की वर्मा लोमश राजा एवं अन्य मौजूद रहे।

कसही में मनाई गई अटल जी की जयंती

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत कसही में आज पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी की जयंती मनाई है। इस अवसर पर सरपंच योगेश्वरी गायकवाड, उपसरपंच यमुना यादव , पंचगण खोमन, यमुना पटेल, चित्रलेखा, ममता धीवर,महेश सेन, भानमति गायकवाड, रोशनी धीवर सहित अन्य मौजूद रहें।

रेणुका यादव को मिली पीएचडी की उपाधि

दुर्ग (समय दर्शन)। हेमचंद यादव यूनिवर्सिटी, दुर्ग के प्राणी विज्ञान विभाग द्वारा पदुम नगर भिलाई निवासी रेणुका यादव को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। वे स्व दुष्यंत यादव एवं जामवंतिन यादव की सुपुत्री हैं। उन्हें यह उपाधिकैरेक्टराइजेशन ऑफ पाईसियन इंटेग्यूमेंटरी म्यूकस एंड स्टडी ऑफ इट्स एंटीफंगल प्रॉपर्टी विषय पर शोध के लिए प्रदान की गई है उन्होंने यह शोध सहायक प्राध्यापक प्राणि विज्ञान शासकीय वि. या. ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग डॉ. अलका मिश्रा के मार्गदर्शन में पूर्ण की उनकी इस उपलब्धि पर उन्हें खुमान सिंह यादव, मुकुंद राम यादव, सहदेव यादव, पवन यादव, रोमशंकर, सहदेव (जुगु) यादव, शैलकुमारी, सुषमा, ओमप्रकाश, किरण यादव, राकेश, राजेश्वरी, चंद्रप्रभा, संगीता, कविता, ऋषिकुमार, सरिता, वैष्णवी, चित्रलेखा, पोषण, शरद, चांदनी, उमेश कुमार, आरती, जागृति, रुखमणी, तृप्ति, पुखराज, शिल्वी , द्विंकल, नोहिल, नीलमणी, हिमशिखा, श्रेया, रुद्र, संस्कृति सहित परिवारिक सदस्यों एवं इष्ट मित्रों ने उन्हें बधाई दी है।

धौराभाठा में अटल जी की जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाई

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत धौराभाठा म भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई जी की जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाई जा रही है। सुबह सरपंच संघ के अध्यक्ष विनय चंद्राकर ने अटल चौक पर पूजा अर्चना कर इसकी शुरुआत की है।

सेलूद के भाजपाईयों ने श्रधेय अटल बिहारी बाजपेयी 101वी जयंती मनाई

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम सेलूद के भाजपाईयों ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी की जयंती मनाई द्य खेमलाल साहू ने उन्हें याद करते हुए कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी (1924-2018) एक भारतीय राजनेता, कवि और पत्रकार थे, जो तीन बार भारत के प्रधानमंत्री बने, विशेषकर 1999-2004 तक पूर्ण कार्यकाल के लिए गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री के रूप में और वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संस्थापक सदस्य और मार्गदर्शक थे, जिन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया और जो अपनी प्रखर वक्तृत्व शैली, दूरदर्शी सोच और राष्ट्र निर्माण में योगदान (जैसे स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना) के लिए जाने जाते हैं। रमेश देवांगन ने कहा कि छत्तीसगढ़ के निर्माता, हमारे पथ प्रदर्शक, पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन करते है द्य अटल जी को आजात शत्रु के रूप में भी जाने जाते है द्य इस अवसर पर खेमलाल साहू पूर्व मण्डल अध्यक्ष, रमेश देवांगन शक्ति केंद्र संयोजक, खेमिन साहू पूर्व सरपंच, टामन लाल साहू सोसायटी अध्यक्ष, महेश्वर बंछोर, तरेन्द्र बंछोर अध्यक्ष शाला विकाश समिति, अशोक यादव, उमेश सिन्हा बूथ अध्यक्ष द्वय, दिनेश बरहरे, संतोष साहू, शारदा साहू, विकाश बारले सहित भाजपा कार्यकर्ता गन की उपस्थिति रही।

अटल परिसर का लोकार्पण एवं प्रतिमा अनावरण

महासमुन्द सांसद रूपकुमारी चौधरी,बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल, महासमुन्द विधायक राजू सिन्हा ने किया अटल जी को नमन

'अटल परिसर' लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल हुए बसना विधायक डॉ संपत अग्रवाल

महासमुन्द (समय दर्शन)। भारतीय राजनीति के देदीप्यमान नक्षत्र, सुशासन के प्रणेता और भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की 101वीं जयंती के पावन अवसर पर महासमुंद के वार्ड क्रमांक 15 में श्रद्धा और विकास का संगम देखने को मिला। यहाँ नवनिर्मित 'अटल परिसर' का भव्य लोकार्पण एवं अटल जी की गरिमामयी प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम हुआ । कार्यक्रम में बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल शामिल हुए।

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने अटल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी मात्र एक राजनेता नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के प्रेरणापुंज और मार्गदर्शक थे। आज उनकी जयंती पर इस परिसर का समर्पण उनके महान व्यक्तित्व के प्रति हमारी सच्ची भावांजलि है।

विधायक डॉ. अग्रवाल ने कहा कि 19 से 25 दिसंबर तक राज्य सरकार द्वारा मनाया गया 'सुशासन सप्ताह' अटल जी के उन्हीं सिद्धांतों को समर्पित है, जिन्हें उन्होंने राजनीति में स्थापित किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण अटल जी की ही दूरदृष्टि का परिणाम है। आज प्रदेश सरकार उनके बताए 'अंत्योदय' के मार्ग पर चलते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने का कार्य कर रही है।

कार्यक्रम के दौरान विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने नवनिर्मित परिसर का सूक्ष्म अवलोकन किया और निर्माण कार्य की गुणवत्ता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह परिसर न केवल वार्ड की सुंदरता बढ़ाएगा, बल्कि स्थानीय युवाओं और आने वाली पीढ़ियों को अटल जी के राष्ट्रवादी विचारों से अवगत कराता रहेगा। उन्होंने वार्ड वासियों को इस नई उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए आश्वस्त किया कि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने के लिए प्रदेश उपाध्यक्ष व सांसद रुपकुमारी चौधरी, विधायक राजू सिन्हा, चंद्राहास चंद्राकर, जिला अध्यक्ष येतराम साहू, नगर पालिका के पदाधिकारी, पार्षदगण, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कलेक्टर-एसपी अचानक पहुँचे धान खरीदी केन्द्र, बोड़सरा खरीदी केंद्र में 95 बोरी अवैध धान किया जब्त

सिवनी (नैला), बोड़सरा, जावलपुर एवं बलौदा धान खरीदी केंद्रों का संयुक्त निरीक्षण

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी को सुचारू, निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से संचालित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडेय ने आज सिवनी (नैला), बोड़सरा, जावलपुर एवं बलौदा स्थित धान खरीदी केंद्रों का संयुक्त रूप से औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपार्जन कार्यों की बारीकी से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान बोड़सरा धान खरीदी केंद्र में लगभग 95 बोरी अवैध धान पाया गया, जिसका न तो टोकन कटा हुआ था और न ही किसी प्रकार की एंट्री दर्ज थी। उक्त धान को मौके पर ही जब्त किया गया। इस पर कलेक्टर ने खरीदी केंद्र प्रभारी एवं अधिकारियों के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्ट कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप किसानों से निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से धान खरीदी सुनिश्चित की जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस पर बोड़सरा समिति प्रबंधक एवं प्रभारी को हटाने के निर्देश सहकारिता विभाग के अधिकारी को दिए ।

उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि सभी अधिकारी अपने-अपने आवंटित उपार्जन केंद्रों मे साप्ताहिक आबंटित पी वी को अनिवार्य रूप से पूर्ण करें तथा रिपोर्ट प्रस्तुत करें। साथ ही, उपार्जन केंद्रों में धान की स्टैकिंग निर्धारित मानकों के अनुरूप रखने निर्देशित किया।

कलेक्टर-एसपी ने सभी खरीदी केंद्रों पर मूलभूल सुविधा,बारदाने की उपलब्धता,छाया, पेयजल, बैठने की व्यवस्था सहित किसानों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

संघर्ष से संबल तक : प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना ने

बेमेतरा (समय दर्शन)। यूँ तो हम सभी ने बचपन में दादी-नानी की जुबानी अनेक कहानियाँ सुनी हैं, लेकिन कुछ कहानियाँ ऐसी होती हैं जो कल्पना नहीं, बल्कि जीवन की कठोर सच्चाई से जन्म लेती हैं। ऐसी ही एक प्रेरक और सच्ची कहानी है ग्राम हसदा की रहने वाली श्रीमती डिलेश्वरी ठाकुर की, जिनके जीवन में कठिन परिस्थितियों के अंधकार से निकलकर आशा और आत्मविश्वास की रोशनी प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के माध्यम से आई। डिलेश्वरी ठाकुर बताती हैं कि उनका विवाह श्री रामूराम ठाकुर के साथ एक अत्यंत गरीब परिवार में हुआ। उनके परिवार में केवल तीन सदस्य थे—पति, सास और वे स्वयं। परिवार की आजीविका का एकमात्र साधन उनके पति की मजदूरी थी। जीवन किसी तरह आगे बढ़ रहा था, तभी एक दिन काम से लौटते समय उनके पति का गंभीर सड़क दुर्घटना में एक्सीडेंट हो गया, जिससे उनका पैर फैक्चर हो गया। इसके बाद परिवार की स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई। घर में कमाने वाला कोई नहीं था, सास की तबियत पहले से ही खराब रहती थी और इसी दौरान डिलेश्वरी स्वयं गर्भवती भी थीं। ऐसे समय में परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और वे मानसिक व आर्थिक रूप से पूरी तरह टूट चुकी थीं।

डिलेश्वरी बताती हैं कि इसी कठिन दौर में उनके जीवन में आशा की किरण बनकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता दीदी माया वर्मा उनके घर पहुँचीं। उन्होंने डिलेश्वरी को गर्भवती महिला के रूप में आंगनबाड़ी केंद्र में पंजीकृत किया और नियमित रूप से स्वास्थ्य केंद्र जाकर टीकाकरण कराने की सलाह दी। साथ ही आयरन, कैल्शियम, फोलिक एसिड जैसी आवश्यक दवाओं का डॉक्टर की सलाह अनुसार सेवन करने के लिए प्रेरित किया।आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने उन्हें प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना की जानकारी दी और बताया कि पहली गर्भावस्था पर शासन द्वारा दो किस्तों में कुल पाँच हजार रुपये की सहायता राशि दी जाती है। तत्पश्चात उनका पंजीयन कराया गया और आवश्यक फार्म भरवाए गए। इसके साथ ही उन्हें आंगनबाड़ी केंद्र से मिलने वाले रेडी टू ईट पोषण आहार के बारे में जानकारी दी गई तथा उसे छह बराबर भागों में बाँटकर प्रतिदिन हलवा या अन्य पौष्टिक व्यंजन बनाकर सेवन करने की सलाह दी गई।

कृषक उन्नति योजना ने बदली प्रगतिशील कृषक की तकदीर

बेमेतरा (समय दर्शन)। जिला बेमेतरा के ग्राम उमरावनगर के प्रगतिशील कृषक श्री हेमंत कुमार राजपूत के जीवन में कृषक उन्नति योजना एक वरदान सिद्ध हुई है। राज्य शासन की इस महत्वाकांक्षी एवं किसान-हितैषी योजना ने न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूती प्रदान की, बल्कि उनके परिवार के जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार लाया है। शासन द्वारा प्रदत्त 2.32 लाख रुपये की अनुदान राशि का श्री राजपूत ने पूरी पारदर्शिता, विवेक और दूरदर्शिता के साथ सदुपयोग कर एक सशक्त उदाहरण प्रस्तुत किया है। प्राप्त अनुदान राशि से श्री राजपूत ने सर्वप्रथम अपने अधूरे मकान के निर्माण कार्य को पूर्ण कराया। पक्के एवं सुरक्षित आवास के निर्माण से उनके परिवार को अब स्थायी, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्राप्त हुआ है। पहले जहां कच्चे मकान के कारण मौसम की मार और असुरक्षा की स्थिति बनी रहती थी, वहीं अब पक्के मकान ने उनके परिवार को आत्मविश्वास और सामाजिक सम्मान प्रदान किया है। यह परिवर्तन उनके जीवन में स्थायित्व और संतोष का कारण बना है। इसके साथ-साथ श्री राजपूत ने अनुदान राशि का उपयोग कृषि कार्यों को सुदृढ़ करने के लिए भी किया। उन्होंने अपने खेतों में पम्प की स्थापना कराई, जिससे वर्षों से चली आ रही सिंचाई की समस्या का स्थायी समाधान हो सका। पम्प स्थापना के बाद अब उन्हें समय पर एवं पर्याप्त मात्रा में सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो रही है। इससे न केवल फसलों की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, बल्कि उत्पादन क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। सिंचाई सुविधा सुदृढ़ होने से श्री राजपूत अब कम समय और कम श्रम में अधिक क्षेत्र में खेती कर पा रहे हैं। इससे उनकी कृषि लागत में कमी आई है और फसल उत्पादन बढ़ने से उनकी आय में निरंतर वृद्धि हो रही है। बेहतर उत्पादन के कारण अब वे बाजार में अपनी उपज उचित मूल्य पर बेच पा रहे हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में कहीं अधिक सुदृढ़ हो गई है। आज श्री हेमंत कुमार राजपूत आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार का भरण-पोषण बेहतर ढंग से कर रहे हैं। साथ ही वे गांव के अन्य किसानों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बन चुके हैं। उनकी सफलता को देखकर ग्राम उमरावनगर के अनेक कृषक शासकीय योजनाओं के प्रति जागरूक हो रहे हैं और उनका लाभ लेने के लिए आगे आ रहे हैं। श्री राजपूत की यह सफलता इस बात का सशक्त प्रमाण है कि यदि शासकीय योजनाओं का सही दिशा में, ईमानदारी और समझदारी के साथ उपयोग किया जाए, तो ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक, सामाजिक एवं जीवनस्तर से जुड़े व्यापक और स्थायी विकास संभव हैं। कृषक उन्नति योजना ने न केवल श्री हेमंत कुमार राजपूत के जीवन को नई दिशा दी है, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम, सामाजिक रूप से सम्मानित और भविष्य के प्रति आशान्वित भी बनाया है।

तेलीगुंडरा में किसान फसल की हो रही बर्बादी से त्रस्त, घुमंतू पशुओं के कारण फसल बर्बाद हो रही

पाटन (समय दर्शन)। तेलीगुंडरा में इस वर्ष किसानों के द्वारा दलहन तिलहन की अधिकांश किसान बुवाई करके अच्छे लाभ की आश में अपने फसलों को बेहतर ढंग से देखरेख कर रहे है परंतु पाटन नगर पंचायत और आसपास के ग्रामों से जानवरों को उक्त ग्राम की ओर छोड़ दिया जाता है जिससे आज यहां की फसल लगभग बर्बाद होने के कगार पर पहुंच चुकी है। सरकार द्वारा गौठान के योजना को बंद करने के बाद आज हर गांव में दलहन और तिलहन की फसल पूर्ण रूप से अवैध पशुओं के चरने के कारण बर्बाद होने के कगार पर है। अटारी गौठान से जानवरों को समय से पहले गौठान से छोड़ दिया है जवाब लेने पर गोल मोल जवाब दिया जाता है। इस संबंध में ग्राम रक्षक समिति और ग्राम पंचायत ग्राम के किसानों के द्वारा आयोजित बैठक में शासन प्रशासन से गुहार किया गया कि हमारे फसलों के सुरक्षा के लिए गौठान को पुन: प्रारंभ करके जानवरों की व्यवस्था की जाए। वरना ग्राम के प्रत्येक घर से किसान कलेक्ट्रेट का घेराव करके अपने फसलों की सुरक्षा की मांग करेंगे। इस बैठक में प्रमुख रूप से जनपद सदस्य दिनेश साहू, ग्राम रक्षक समिति के अध्यक्ष रेखराम साहू, सरपंच हुलेश्वरी साहू, ग्राम के किसान बीरेंद्र साहू, प्रेमलाल साहू, राजाराम साहू, खम्मन यादव, डोमेंद्र साहू, उत्तम साहू, चुम्मक साहू,सालिक ठाकुर , राधेश्याम पटेल, प्राणु ठाकुर एवं ग्राम के समस्त किसान उपस्थित थे।

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने कलश पूजन कर किया श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ का शंखनाद

भक्ति के सागर में डूबी वालफोर्ट सिटी

बसना विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने धर्म ध्वजा थामकर की सुख-समृद्धि की प्रार्थना, कहा- भागवत कथा ही जीवन का वास्तविक सार

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी का रिंग रोड स्थित वालफोर्ट सिटी परिसर आज साक्षात् वृंदावन के रंग में रंगा नजर आया। अवसर था श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के भव्य शुभारंभ का। 25 दिसंबर 2025 से 1 जनवरी 2026 तक चलने वाले इस आध्यात्मिक महाकुंभ का आगाज बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल की गरिमामय उपस्थिति और भव्य मंगल कलश यात्रा के साथ हुआ।

कथा के प्रथम दिवस पर आयोजित कलश यात्रा में भक्ति का अनूठा सैलाब उमड़ पड़ा। पीले वस्त्रों में सुसज्जित सैकड़ों महिलाओं ने जब सिर पर मंगल कलश धारण कर कदम बढ़ाए, तो पूरा परिसर 'जय श्री कृष्णा' और 'राधे-राधे' के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। गाजे-बाजे, पुष्प वर्षा और भक्ति गीतों की लहरों ने वातावरण में दिव्यता घोल दी। विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने स्वयं श्रद्धा भाव से धर्म ध्वजा थामकर यात्रा की अगुवाई की, जो उनके धर्म के प्रति अटूट विश्वास को दर्शाता है।

कलश स्थापना और पूजन के पश्चात विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने अत्यंत ओजस्वी विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल शब्दों का संग्रह नहीं, बल्कि साक्षात् श्रीकृष्ण का स्वरूप है। यह हमें सिखाती है कि विषमताओं के बीच भी धर्म और धैर्य के साथ कैसे जिया जाए। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में ऐसे आयोजन न केवल मानसिक शांति प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में समरसता और एकता के सूत्र को भी मजबूत करते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को जीवन में उतारना ही इस कथा की वास्तविक सार्थकता है। डॉ. अग्रवाल ने इस दौरान छत्तीसगढ़ की जनता की सुख, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना भी की।

विधायक डॉ अग्रवाल ने बताया कि 1 जनवरी तक चलने वाले इस ज्ञान यज्ञ में प्रतिदिन कथा व्यास द्वारा भगवान के विभिन्न अवतारों, उनकी लीलाओं और जीवन दर्शन का विस्तृत वर्णन किया जाएगा। कलश यात्रा के दौरान स्थानीय निवासियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। पुष्प वर्षा के बीच निकली इस यात्रा ने हर हृदय को भक्ति रस से सराबोर कर दिया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26